

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1712]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 4, 2019/ज्येष्ठ 14, 1941

No. 1712]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 4, 2019/JYAISTHA 14, 1941

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 जून, 2019

का.आ.1917(अ).—मंत्रालय प्रारूप अधिसूचना का.आ. 3122 (अ), दिनांक 20 नवम्बर, 2015 के अधिक्रमण में, अधिसूचना का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) तथा उपधारा (3) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जारी करने का प्रस्ताव करती है, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) की अपेक्षानुसार, जनसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है; जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, और यह सूचित किया जाता है कि उक्त प्रारूप अधिसूचना पर, उस तारीख से, जिसको इस अधिसूचना को अंतर्विष्ट करने वाले भारत के राजपत्र की प्रतियां जनसाधारण को उपलब्ध करा दी जाती हैं, साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा;

ऐसा कोई व्यक्ति, जो प्रारूप अधिसूचना में अंतर्विष्ट प्रस्तावों के संबंध में कोई आपत्ति या सुझाव देने का इच्छुक है, वह विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किए जाने के लिए अपनी आपत्ति या सुझाव सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, अलीगंज, नई दिल्ली-110003 को या ई-मेल esz-mef@nic.in पर लिखित रूप में भेज सकता है।

प्रारूप अधिसूचना

मॉउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य गुजरात की सीमा के निकट राजस्थान के सिरोही जिला, अरावली पर्वत श्रृंखला के दक्षिणी भाग में 24° 33' से 24° 43' उ और 72° 38' से 72° 53' पू के बीच स्थित है। अभयारण्य 326.09 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र तक फैला हुआ है और सिरोही जिले के पिंडवारा और खेदर तहसील, आबू सड़क के पार तक फैला है;

और, मॉउंट आबू अद्वितीय पारिस्थितिकी तंत्र है; अपनी ऊंची विविध पर्वत, श्रेणियों के कारण समुद्र तल से 300 से 1722 मीटर ऊपर तक और इसमें वनस्पति और जीवजंतुओं की दुर्लभ, लुप्तप्राय और स्थानिक प्रजातियों की विविधता है। यह 1960 में वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया था जिसमें वर्ष 2008 में अंतिम रूप से परिवर्तन करके अधिसूचित किया गया। राजस्थान और गुजरात राज्यों के बीच, एकमात्र पहाड़ी स्थान होने और अपनी समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विविधता के कारण यहां, हर साल इस स्थान पर 15

लाख से अधिक पर्यटक आते हैं। अभयारण्य में सबसे पुरानी पर्वत श्रेणी अर्थात् राजस्थान के सिरोही जिले में अरावली है। पहाड़ियों का निर्मित समूह एक चट्टानी द्वीप की तरह समतल मैदान से अचानक ऊपर उठता है;

और, माँउंट आबू में बहुत समृद्ध वनस्पति जैव विविधता है जो पादगिरि में जेरोमोर्फिक उपोष्णकटिबंधीय कांटेदार वन से आरंभ होकर जो जल मार्ग और घाटियों के साथ उच्च ऊंचाई पर उपोष्णकटिबंधीय सदाबहार वनों तक इन वनों में 449 जेनेरा और 820 प्रजातियों के साथ 112 पादप वर्ग है;

और, माँउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य से मुख्य वनस्पति मांगिफेरा इंडिका (मैंगो), मोरिंडा टेंक्रोरिया (भारतीय शहतूत), बुचानानिया लांजान (चिरौंजी), कैशिया फिस्टुला, (गोल्डन रेत ट्री), इम्बिलिका ओफिसिनैलिस (अमला), सर्पिंदुस इमारगिनाटस (नोटचड लेफ सोअप्रुट), अकैशिया निलोटिका (बबूल), फिकस बेंघालेंसिस (बंयान), टर्मिनलिया बेल्लेरिका, एंगल मारमेलोस, डायोस्पायरोस कॉडिफोलिया, जिजिफस मौरिटिआना, सिजेगियम कुमिनि, होलोप्टेया इंटेग्रिफोलिया, बुटेया मोनोस्पर्म, अनोगेइसूस लटिफोलिया, अनोगेइसूस पेंडुला, फिकस रेलिगिओसा, अकैशिया लेयूकोफलोया, मल्लोटा स्फिलिपिनैसिस, टर्मिनलिया टोमेंटोसा, टेक्टोना ग्रांडिस (सागौन), टर्मिनलिया अर्जुन (अर्जुन), त्रिघटिया टोमेंटोसा, अल्बिजिया लेबेक, अल्बिजिया प्ररोकेरा (टैल अल्बिजिया), सोलानम विरगिनिअनम (थोनीं निघटशादे), कैरिस्सा चरनदास, आदि अभिलिखित की गई है;

और, अभयारण्य से महत्वपूर्ण जीवजंतु अभिलिखित किए गए हैं जिसमें हनुमान लंगूर (सेम्नोपिथेकस कइंटेल्लुस), तेंदुआ (पेन्थेरा प्रड्यूस), बनबिलार (फेलिस चाउस), ग्रे नेवला (हर्पस्टेस एडवर्डसी), सियार (कैनिस ऑरियस), भारतीय लोमड़ी (वुल्फस बेंगालेंसिस), चित्तीदार लकड़बग्घा (हैना हैना), सामान्य पाम सिवेट (पराडोक्यरूस हेरमाफरोडिटस), हनी बेजर (मेल्लिवोरा कैपेंसिस), भारतीय हेडगेहोग (हेमिचिनुस मिग्रोपुस), ब्लू बुल (बोसेलाफुस ट्रागोकेमेलुस), सांभर हिरण (करवुस यूनिकोलर), भारतीय बनैला सूअर (सस स्क्रोफा), पांच धारीदार पाम गिलहरी (फनाम्बुलुस पेन्नांटी), हाउस शेरव (सुनकस मुरीनस), भारतीय साही (हिस्ट्रीक्स इंडिका), भारतीय खरगोश (लेपस निगरीकोल्लिस), भारतीय लोमड़ी (कैनिस लेपुस), रीछ (मेलर्सस अरसिनस), ग्रीन अवादात (अमांदावा फोरमोसा), एशियन पैराडिस फ्लाईकैचर (टेरप्सिपोन पराडिस), भारतीय स्किमिटर बाब्बलेर (पोमेटोरहोनस हॉर्सफिइल्डी), रेड विहस्कई बुलबुल (पायनोनोटस जकोसस), भारतीय मोर (पवो क्रिस्टस), व्हाइट ब्रेस्टेड वॉटर मुर्गी (अमाउरोर्निस फोईनिकुरुस), ओरिंटल हनी बुज्जार्ड (पेरनि पटिलोरहयंचस), आदि शामिल हैं। जबकि, क्षेत्र में मुख्य सरीसृप मगरमच्छ (क्रोकोडायल पलुस्टरीस), भारतीय मड कछुआ (लिस्सेमयस पुंकाटाटा), स्टेरैड कछुआ (गेओचेलोन इलेगंस), बरौक्स गेको (हेमिदाकटायलुस ब्रुकी), रॉक गेको (हेमिदाकटायलुस मकुलाटस), फोरस्टेन कैट स्नैक (बोइगा फोरस्टेनि), चैकरेड कैल्बैक (क्सेनोक्रोफिस पीसकटोर), सामान्य गार्डन लिर्जाड (कलोटेसवेरस्किलोर), भारतीय चामेलेओन (चामेलेओन केल्लराटोस), सेव स्कैलेड सांप (इचीस्करिनाटस), सामान्य स्किंक (यूटोपिसरिनाटा), मॉनिटर छिपकली (वननुस बेंगालेंसिस), भारतीय पायथन (पायथन मोलुरुस), सामान्य चूहा सांप (पतयास्सुकोसुस), ग्रीन कीलबैक (मकरोपिस्थोदोन पलुम्बिकोलोर), सामान्य भारतीय करैत (बुंगारूस्केइरूलेउस), भारतीय कोबरा (नाजा नाजा), रूसेल नाग (डाबोइरूस्सेल्ली), आदि पाए जाते हैं और क्षेत्र में पक्षियों में जैसे ग्रीन मुनिया, जंगली बब्बलेर, मवेशी इग्रेट, पर्पल सनबर्ड, भारतीय तालाब बगुला, असह्य परिनिया, क्रेस्टेड सर्प-ईगल, ओरिएंटल हनी बज्जर्ड, भारतीय ब्लैकबर्ड, व्हाइट-स्पोट्रेड फनताइल-फ्लाईकैचर, रॉक कबूतर, पेरेग्रीन फॉल्कन, ओरिंटल व्हाइट-आई, क्रेस्टेड बंटिंग, कोप्पेरस्मिथ बारबेट, भारतीय ग्रे हॉनबिल, रोस्य स्टेरलिंग, ब्लैक रेडस्टार्ट, ब्लैक ड्रोगों आदि पाए जाते हैं;

और, अभयारण्य से लुप्तप्राय प्रजातियां अनोगेइसूस मेरिकेया, बेगोनिया ट्राईचोकारपा (हेयरी-फ्रुट बेगोनिया), क्रोटालारिया फिलिपस (क्रैरेपिंग हेम्प), इंडिगोफेरा कॉस्टरिकटा, पेन्थेरा प्रड्यूस (तेंदुआ), मेलर्सस अरसिनस (रीछ), आदि अभिलिखित की गई हैं। जबकि अभयारण्य से मुख्य स्थानिक प्रजातियों डिकलिपटेरा अबुइसिस, स्टोबिलाथेस कल्लोसुस और रोसा आदि की उप-प्रजातियां अभिलिखित की गई हैं;

और, माँउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य के चारों ओर के क्षेत्र को, जिसका विस्तार और सीमाएं इस अधिसूचना के पैराग्राफ 1 में विनिर्दिष्ट हैं, पारिस्थितिकी, पर्यावरणीय और जैव-विविधता की दृष्टि से पारिस्थितिकी संवेदी जोन के रूप में सुरक्षित और संरक्षित करना तथा उक्त पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उद्योगों या उद्योगों की श्रेणियों के प्रचालन तथा प्रसंस्करण को प्रतिषिद्ध करना आवश्यक है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की उपधारा (1) तथा धारा 3 की उपधारा (2) एवं उपधारा (3) के खंड (v) और खंड (xiv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जिला सिरोही के राजस्थान राज्य में माँउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के चारों ओर 0.1 किलोमीटर से 6.08 किलोमीटर तक विस्तारित क्षेत्र को पारिस्थितिकी संवेदी जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् पारिस्थितिकी संवेदी जोन कहा गया है) के रूप में अधिसूचित करती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है, अर्थात्:-

1. **पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार और सीमा.**-(1) पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार माँउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के चारों ओर 0.1 किलोमीटर से 6.08 किलोमीटर है जिसमें माँउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य और गुजरात के जेसोर स्लॉथ वीयर अभयारण्य के बीच महत्वपूर्ण गलियारा जुड़ाव शामिल है जो रीछ, तेंदुआ, लकड़बग्घा, आदि जैसे पशुओं के लिए स्वस्थ जीन पूल लंबे समय

तक सुरक्षित रखता और बनाए रखना है पारिस्थितिकी संवेदी जोन का क्षेत्र 125.15 वर्ग किलोमीटर है। पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार विभिन्न दिशाओं में नीचे दिया गया है:-

| दिशाएं | क्षेत्र (किलोमीटर) |
|---------------|--------------------|
| उत्तर | 1 |
| उत्तर-पूर्व | 1 |
| पूर्व | 1 |
| दक्षिण-पूर्व | 0.1 |
| दक्षिण | 1.1 |
| दक्षिण-पश्चिम | 6.08 |
| पश्चिम | 1 |
| उत्तर-पश्चिम | 1 |

(2) मॉउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य और पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का विवरण **उपाबंध-I** के रूप में संलग्न है।

(3) सीमा विवरण और अक्षांश और देशांतर के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन के मॉउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य का मानचित्र **उपाबंध-IIक, उपाबंध-IIख, उपाबंध-IIग और उपाबंध-IIघ** के रूप में संलग्न है।

(4) पारिस्थितिकी संवेदी जोन और मॉउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के भू-निर्देशांकों की सूची **उपाबंध-III** की सारणी **क** और सारणी **ख** में दी गई है।

(5) मुख्य बिंदुओं के भू-निर्देशांकों के साथ प्रस्तावित पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची **उपाबंध IV** के रूप में संलग्न है।

2. पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना-(1) राज्य सरकार, द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन के प्रयोजन के लिए, राजपत्र में अंतिम अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर, स्थानीय व्यक्तियों के परामर्श से और इस अधिसूचना में दिए गए अनुबंधों का पालन करते हुए, राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदनार्थ एक आंचलिक महायोजना बनाई जायेगी।

(2) राज्य सरकार द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट रीति से तथा प्रासंगिक केंद्रीय और राज्य विधियों के अनुरूप तथा केंद्रीय सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों, यदि कोई हों, के अनुसार बनायी जाएगी।

(3) आंचलिक महायोजना में पारिस्थितिकी और पर्यावरण संबंधी सरोकारों को शामिल करने के लिए इसे राज्य सरकार के निम्नलिखित विभागों के परामर्श से बनाया जाएगा, अर्थात्:-

- (i) पर्यावरण;
- (ii) वन और वन्यजीव;
- (iii) शहरी विकास;
- (iv) पर्यटन;
- (v) नगरपालिक;
- (vi) राजस्व;
- (vii) कृषि;
- (viii) राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड;
- (ix) सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण;
- (x) ग्रामीण विकास;

- (xi) पंचायती राज; और
 (xii) लोक निर्माण विभाग।

(4) जब तक इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, आंचलिक महायोजना में वर्तमान में अनुमोदित भू-उपयोग, अवसंरचना और क्रियाकलापों पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा तथा आंचलिक महायोजना में सभी अवसंरचनाओं और क्रियाकलापों में सुधार करके उन्हें अधिक दक्ष और पारिस्थितिकी-अनुकूल बनाने की व्यवस्था की जाएगी।

(5) आंचलिक महायोजना में वनरहित और अवक्रमित क्षेत्रों के सुधार, विद्यमान जल निकायों के संरक्षण, आवाह क्षेत्रों के प्रबंधन, जल-संभरों के प्रबंधन, भू-जल के प्रबंधन, मृदा और नमी के संरक्षण, स्थानीय जनता की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण के ऐसे अन्य पहलुओं की व्यवस्था की जाएगी जिन पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

(6) आंचलिक महायोजना में सभी विद्यमान पूजा स्थलों, ग्रामों एवं शहरी वस्तियों, वनों की श्रेणियों एवं किस्मों, कृषि क्षेत्रों, ऊपजाऊ भूमि, उद्यानों एवं उद्यानों की तरह के हरित क्षेत्रों, बागवानी क्षेत्रों, बगीचों, झीलों और अन्य जल निकायों की सीमा का सहायक मानचित्र के साथ निर्धारण किया जाएगा। और प्रस्तावित भू-उपयोग की विशेषताओं का ब्यौरा भी दिया जाएगा।

(7) आंचलिक महायोजना में पारिस्थितिकी संवेदी जोन में होने वाले विकास का विनियमन किया जाएगा और सारणी में यथासूचीबद्ध पैराग्राफ 4 में प्रतिषिद्ध एवं विनियमित क्रियाकलापों का पालन किया जाएगा। इसमें स्थानीय जनता की आजीविका की सुरक्षा के लिए पारिस्थितिकी-अनुकूल विकास का भी सुनिश्चय एवं संवर्धन किया जाएगा।

(8) आंचलिक महायोजना, क्षेत्रीय विकास योजना की सह-कालिक होगी।

(9) अनुमोदित आंचलिक महायोजना, निगरानी समिति के लिए एक संदर्भ दस्तावेज होगी ताकि वह इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार निगरानी के अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सके।

3. राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले उपाय.- राज्य सरकार इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए निम्नलिखित उपाय करेगी, अर्थात्:-

(1) **भू-उपयोग.-** (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में वनों, बागवानी क्षेत्रों, कृषि क्षेत्रों, मनोरंजन के लिए चिन्हित उद्यानों और खुले स्थानों का वृहद वाणिज्यिक या आवासीय परिसरों या औद्योगिक क्रियाकलापों के लिए प्रयोग या संपरिवर्तन अनुज्ञात नहीं किया जाएगा:

परंतु पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर भाग (क), में विनिर्दिष्ट प्रयोजन से भिन्न प्रयोजन के लिए कृषि और अन्य भूमि का संपरिवर्तन, मानीटरी समिति की सिफारिश पर और सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन से क्षेत्रीय नगर योजना अधिनियम तथा यथा लागू केन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अन्य नियमों एवं विनियमों के अधीन तथा इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार स्थानीय निवासियों की निम्नलिखित आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा जैसे:-

- (i) विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना, उन्हें सुदृढ़ करना और नई सड़कों का संनिर्माण करना;
- (ii) बुनियादी ढांचों और नागरिक सुविधाओं का संनिर्माण और नवीकरण;
- (iii) प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग;
- (iv) कुटीर उद्योग एवं ग्राम उद्योग; पारिस्थितिकी पर्यटन में सहायक सुविधा भण्डार, और स्थानीय सुविधाएं तथा ग्रह वास;
- (v) वर्षा जल संचयन; और
- (vi) बढ़ावा दिए गए पैराग्राफ-4 में उल्लिखित क्रियाकलाप:

परंतु यह भी कि क्षेत्रीय शहरी नियोजन अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन के बिना तथा राज्य सरकार के अन्य नियमों एवं विनियमों एवं संविधान के अनुच्छेद 244 के उपबंधों तथा तत्समय प्रवृत्त विधि, जिसके अंतर्गत अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) भी आता है, का अनुपालन किए बिना वाणिज्यिक या औद्योगिक विकास क्रियाकलापों के लिए जनजातीय भूमि का प्रयोग अनुज्ञात नहीं होगा:

परंतु यह भी कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाली भूमि के अभिलेखों में हुई किसी त्रुटि को, मानीटरी समिति के विचार प्राप्त करने के पश्चात्, राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक बार सुधारा जाएगा और उक्त त्रुटि को सुधारने की सूचना केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को दी जाएगी:

परंतु यह भी कि उपर्युक्त त्रुटि को सुधारने में, इस उप-पैरा में यथा उपबंधित के सिवाय, किसी भी दशा में भू-उपयोग का परिवर्तन शामिल नहीं होगा:

(ख) अनुप्रयुक्त या अनुत्पादक कृषि क्षेत्रों में पुनः वनीकरण तथा पर्यावासों और जैव-विविधता की बहाली के प्रयास किए जाएंगे।

(2) **प्राकृतिक जल स्रोत.**- आंचलिक महायोजना में सभी प्राकृतिक जलमार्गों के आवाह क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और आंचलिक महायोजना में उनके संरक्षण और बहाली की योजना सम्मिलित की जाएगी और राज्य सरकार द्वारा जल आवाह प्रबंधन योजना इस रीति से बनाई जाएगी कि उसमें आवाह क्षेत्रों में विकास क्रियाकलापों को प्रतिषिद्ध और निर्बंधित किया गया हो।

(3) **पर्यटन एवं पारिस्थितिकी पर्यटन.**- (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी नए पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार पारिस्थितिकी संवेदी जोन सम्बंधी पर्यटन महायोजना के अनुसार अनुज्ञात होगा।

(ख) पारिस्थितिकी पर्यटन महायोजना राज्य सरकार के पर्यावरण और वन विभाग के परामर्श से पर्यटन विभाग द्वारा बनायी जाएगी।

(ग) पर्यटन महायोजना आंचलिक महायोजना का घटक होगी।

(घ) पारिस्थितिकी पर्यटन सम्बंधी क्रियाकलाप निम्नानुसार विनियमित किए जाएंगे, अर्थात्:-

(i) वन्यजीव अभयारण्य की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, किसी होटल या रिजॉर्ट का नया सन्निर्माण अनुज्ञात नहीं किया जाएगा:

परंतु यह, पारिस्थितिकी पर्यटन सुविधाओं के लिए वन्यजीव अभयारण्य की सीमा से एक किलोमीटर की दूरी से परे पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक पूर्व परिभाषित और अभीहित क्षेत्रों में पर्यटन महायोजना के अनुसार, नए होटलों और रिजॉर्ट की स्थापना अनुज्ञात होगी;

(ii) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अन्दर सभी नए पर्यटन क्रिया-कलापों या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार, केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों तथा पारिस्थितिकी पर्यटन पर बल देने वाले राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण द्वारा जारी पारिस्थितिकी पर्यटन सम्बंधी दिशानिर्देशों (समय-समय पर यथा संशोधित) के अनुसार होगा;

(iii) आंचलिक महायोजना का अनुमोदन होने तक, पर्यटन के विकास और विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों के विस्तार को वास्तविक स्थल-विशिष्ट संवीक्षा तथा मानीटरी समिति की सिफारिश के आधार पर संबंधित विनियामक प्राधिकरणों द्वारा अनुज्ञात किया जाएगा और पारिस्थितिकी संवेदी जोन में किसी नए होटल/ रिजॉर्ट रिसोर्ट या वाणिज्यिक प्रतिष्ठान का सन्निर्माण अनुज्ञात नहीं होगा।

(4) **प्राकृतिक विरासत.**- पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले बहुमूल्य प्राकृतिक विरासत के सभी स्थलों जैसे कि जीन पूल रिजर्व क्षेत्र, शैल संरचना, जल प्रपात, झरने, दर्रे, उपवन, गुफाएं, स्थल, वनपथ, रोहण मार्ग, उत्प्रपात आदि की पहचान की जाएगी और उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में एक विरासत संरक्षण योजना बनायी जाएगी।

(5) **मानव निर्मित विरासत स्थल.**- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में भवनों, संरचनाओं, कलाकृति-क्षेत्रों तथा ऐतिहासिक, स्थापत्य सम्बंधी, सौंदर्यात्मक और सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण के लिए आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में एक विरासत संरक्षण योजना बनायी जाएगी।

(6) **ध्वनि प्रदूषण.**- पर्यावरण अधिनियम के अधीन ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 में नियत उपबंधों के अनुसार में पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण के लिए विनियमों को कार्यान्वित करेगा।

(7) **वायु प्रदूषण.**- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में, वायु प्रदूषण के निवारण और नियंत्रण का वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार अनुपालन किया जाएगा।

(8) **बहिष्कार का निस्सारण.**- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उपचारित बहिष्कार का निस्सारण, साधारणों मानकों के अन्तर्गत पर्यावरण अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन आने वाले पर्यावरणीय प्रदूषण के निस्सारण के लिए साधारण मानकों या राज्य सरकार द्वारा नियत मानकों, जो भी अधिक कठोर हो, के उपबंधों के अनुसार होगा।

(9) **ठोस अपशिष्ट.**- ठोस अपशिष्ट का निपटान एवं प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ठोस अपशिष्ट का निपटान और प्रबंधन भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं. का.आ. 1357(अ), दिनांक 8 अप्रैल, 2016 के तहत प्रकाशित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम,

2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा। अकार्बनिक पदार्थों का निपटान पारिस्थितिकी संवेदी जोन से बाहर चिन्हित किए गए स्थानों पर पर्यावरण-अनुकूल रीति से किया जाएगा;

(ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों (ईएसएम) का प्रयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप ठोस अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जायेगा।

(10) **जैव चिकित्सा अपशिष्ट.**- जैव चिकित्सा अपशिष्ट का प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में जैव चिकित्सा अपशिष्ट का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 343 (अ), तारीख 28 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों का प्रयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप ठोस अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जायेगा।

(11) **प्लास्टिक अपशिष्ट का प्रबंधन.**- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्लास्टिक अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 340(अ), तारीख 18 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(12) **निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट का प्रबंधन.**- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 317(अ), तारीख 29 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित संनिर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(13) **ई-अपशिष्ट.**- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ई-अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित तथा समय-समय पर यथा संशोधित ई-अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(14) **सड़क-यातायात.**- सड़क-यातायात को पर्यावास-अनुकूल तरीके से विनियमित किया जाएगा और इस संबंध में आंचलिक महायोजना में विशेष उपबंध शामिल किए जाएंगे। आंचलिक महायोजना के तैयार होने और राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदित होने तक, मानीटरी समिति प्रासंगिक अधिनियमों और उनके तहत बनाए गए नियमों एवं विनियमों के अनुसार सड़क-यातायात के अनुपालन की मानीटरी करेगी।

(15) **वाहन जनित प्रदूषण.**- वाहन जनित प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण लागू विधियों के अनुसार किया जाएगा। स्वच्छतर ईंधन के उपयोग के लिए प्रयास किए जाएंगे।

(16) **औद्योगिक ईकाइयां.**- (i) सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख को या उसके बाद पारिस्थितिकी संवेदी जोन में किसी नए प्रदूषणकारी उद्योग की स्थापना अनुज्ञात नहीं होगी।

(ii) जब तक इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, पारिस्थितिकी संवेदी जोन में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी दिशानिर्देशों में किए गए उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार केवल गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों की स्थापना अनुज्ञात होगी। इसके अतिरिक्त, गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।

(17) **पहाड़ी ढलानों का संरक्षण.**- पहाड़ी ढलानों का संरक्षण निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) आंचलिक महायोजना में पहाड़ी ढलानों के उन क्षेत्रों को दर्शाया जाएगा जिनमें किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी।

(ख) जिन ढलानों या विद्यमान खड़ी पहाड़ी ढलानों में अत्यधिक भू-क्षरण होता है उनमें किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी।

4. पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध या विनियमित किए जाने वाले क्रियाकलापों की सूची.- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी क्रियाकलाप, पर्यावरण अधिनियम और तटीय विनियमन जोन (सीआरजेड) अधिसूचना, 2011 एवं पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) अधिसूचना, 2006 सहित उसके अधीन बने नियमों और वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 (1980 का 69), भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16), वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) सहित अन्य लागू नियमों तथा उनमें किए गए संशोधनों के अनुसार शासित होंगे और नीचे दी गई सारणी में विनिर्दिष्ट रीति से विनियमित होंगे, अर्थात्:-

सारणी

| क्रम सं. | क्रियाकलाप | टिप्पणी |
|---------------------------------|--|--|
| (1) | (2) | (3) |
| क. प्रतिषिद्ध क्रियाकलाप | | |
| 1. | वाणिज्यिक खनन, पत्थर उत्खनन और अपघर्षण इकाईयां। | (क) सभी प्रकार के नए और विद्यमान खनन (लघु और वृहत खनिज), पत्थर की खानों और उनको तोड़ने की इकाइयां वास्तविक स्थानीय निवासियों की घरेलू आवश्यकताओं जिसमें निजी उपयोग के लिए मकानों के संनिर्माण या मरम्मत के लिए धरती को खोदना और मकान बनाने के लिए देशी टाइल्स या ईंटों का निर्माण करना भी सम्मिलित है, के सिवाय नहीं होंगी ; (ख) खनन संक्रियाएं, माननीय उच्चतम न्यायालय की रिट याचिका (सिविल) सं. 1995 का 202 टी.एन. गौडावर्मन थिरूमूलपाद बनाम भारत संघ के मामले में आदेश तारीख 4 अगस्त, 2006 और रिट याचिका (सी) सं. 2012 का 435 गोवा फाउंडेशन बनाम भारत संघ के मामले में तारीख 21 अप्रैल, 2014 के आदेश के अनुसरण में प्रचालन होगा। |
| 2. | प्रदूषण (जल, वायु, मृदा, ध्वनि आदि) उत्पन्न करने वाले उद्योगों की स्थापना। | पारिस्थितिकी संवेदी जोन में कोई नया उद्योग लगाने और वर्तमान प्रदूषणकारी उद्योगों का विस्तार करने की अनुमति नहीं होगी: जब तक कि इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, पारिस्थितिकी संवेदी जोन में फरवरी, 2016 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी दिशानिर्देशों में किए गए उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार केवल गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों की स्थापना होगी। इसके अतिरिक्त, गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। |
| 3. | बड़ी ताप एवं जल विद्युत परियोजनाओं की स्थापना। | लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे। |
| 4. | किसी परिसंकटमय पदार्थ का प्रयोग या उत्पादन या प्रसंकरण। | लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे। |
| 5. | प्राकृतिक जल निकायों या भूमि क्षेत्र में अनुपचारित बहिस्त्रावों का निस्सारण। | लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे। |
| 6. | नई आरा मिलों की स्थापना। | पारिस्थितिकी संवेदी जोन में नई आरा मिलों की स्थापना और विद्यमान आरा मिलों का विस्तार अनुज्ञात नहीं होगा। |
| 7. | ईंट भट्टों की स्थापना। | लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे। |
| 8. | जलावन लकड़ी का वाणिज्यिक उपयोग। | लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे। |
| 9. | नए काष्ठ आधारित उद्योग। | लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे। |
| 10. | मछली। | लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे। |
| 11. | उच्च मात्रा और नगर-जीवन का उपयोग। | लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे। |
| ख. विनियमित क्रियाकलाप | | |
| 12. | होटलों और रिजॉर्टों की वाणिज्यिक स्थापना। | पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलापों हेतु लघु अस्थायी संरचनाओं के निर्माण को छोड़कर संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, नए वाणिज्यिक |

| | | |
|-----|---|--|
| | | <p>होटलों और रिजॉर्ट की स्थापना अनुज्ञात नहीं होगी:</p> <p>परंतु, संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के बाहर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, सभी नए पर्यटन क्रियाकलाप करने या विद्यमान क्रियाकलापों का विस्तार पर्यटन महायोजना और लागू दिशानिर्देशों के अनुसार अनुज्ञात होगी।</p> |
| 13. | संनिर्माण क्रियाकलाप। | <p>(क) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक जो भी निकट हो, किसी भी प्रकार का वाणिज्यिक संनिर्माण अनुज्ञात नहीं किया जाएगा:</p> <p>परंतु स्थानीय लोगों को पैराग्राफ 3 के उप पैराग्राफ (1) में सूचीबद्ध क्रियाकलापों सहित उनके उपयोग के लिए उनकी भूमि में स्थानीय निवासियों की आवासीय आवश्यकताओं को पूरा करने लिए संनिर्माण करने की अनुमति भवन उपविधियों के अनुसार दी जाएगी।</p> <p>परन्तु ऐसे लघु उद्योगों जो प्रदूषण उत्पन्न नहीं करते हैं, से संबंधित संनिर्माण क्रियाकलाप विनियमित किए जाएंगे और लागू नियमों और विनियमों, यदि कोई हों, के अनुसार सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति से ही न्यूनतम पर रखे जाएंगे।</p> <p>(ख) एक किलोमीटर से आगे आंचलिक महायोजना की अनुसार विनियमित होंगे।</p> |
| 14. | गैर प्रदूषणकारी लघु उद्योग। | <p>फरवरी, 2016 में केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार गैर-प्रदूषणकारी उद्योग तथा अपरिसंकटमय लघु और सेवा उद्योग, कृषि, पुष्प कृषि, बागवानी या कृषि आधारित उद्योग, जो पारिस्थितिकी संवेदी जोन से देशी सामग्रियों से उत्पाद बनाते हैं, सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञात होंगे।</p> |
| 15. | वृक्षों की कटाई। | <p>(क) राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना वन भूमि या सरकारी या राजस्व या निजी भूमि पर वृक्षों की कटाई नहीं होगी।</p> <p>(ख) वृक्षों की कटाई केंद्रीय या संबंधित राज्य के अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार विनियमित होगी।</p> |
| 16. | वन उत्पादों और गैर काष्ठ वन उत्पादों का संग्रह। | लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा। |
| 17. | विद्युत और संचार टॉवर लगाने, तार-विछाने तथा अन्य बुनियादी ढांचे की व्यवस्था। | लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा। (भूमिगत केवल विछाने को बढ़ावा दिया जाएगा)। |
| 18. | नागरिक सुविधाओं सहित बुनियादी ढांचा। | लागू विधियों के अनुसार न्यूनीकरण उपायों नियम और विनियमन और उपलब्ध दिशानिर्देशों के साथ किए जाएंगे। |
| 19. | विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना, उन्हें सुदृढ़ बनाना और नई सड़कों का निर्माण। | लागू विधियों के अनुसार न्यूनीकरण उपायों नियम और विनियमन और उपलब्ध दिशानिर्देशों के साथ किए जाएंगे। |
| 20. | पर्यटन से संबंधित अन्य क्रियाकलाप जैसे कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन क्षेत्र के ऊपर से गर्म वायु के गुब्बारे, हेलीकाप्टर, ड्रोन, माइक्रोलाइट्स उड़ाना आदि। | लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा। |

| | | |
|-------------------------------|---|--|
| 21. | पहाड़ी ढलानों और नदी तटों का संरक्षण । | लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा । |
| 22. | रात्रि में सड़क यातायात का संचलन । | लागू विधियों के अधीन वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए विनियमित होगा । |
| 23. | स्थानीय जनता द्वारा अपनायी जा रही वर्तमान कृषि और बागवानी पद्धतियों के साथ डेयरियां, दुग्ध उत्पादन, जल कृषि और मत्स्य पालन। | स्थानीय जनता के प्रयोग के लिए लागू विधियों के अधीन अनुज्ञात होंगे। |
| 24. | प्राकृतिक जल निकायों या भू क्षेत्र में उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्वाह का निस्सारण । | जल निकायों में उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्वाह के निस्सारण से बचा जाएगा। उपचारित अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण और पुनःउपयोग के प्रयास किए जाएंगे अन्यथा उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्वाह का निस्सारण लागू विधियों के अनुसार विनियमित किया जाएगा। |
| 25. | सतही और भूजल का वाणिज्यिक प्रयोग एवं निष्कर्षण । | लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा । |
| 26. | विदेशी प्रजातियों को लाना । | लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा । |
| 27. | पोलिथीन बैगों का प्रयोग । | पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर पॉलिथीन बैग के उपयोग की अनुमति होगी: परन्तु यह विशिष्ट आवश्यकता के आधार पर लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा । |
| 28. | वाणिज्यिक संकेत बोर्ड और होर्डिंग का प्रयोग । | लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा । |
| 29. | फार्मों, कॉर्पोरेट, कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक पशुधन संपदा और कुक्कुट फार्मों की स्थापना । | स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लागू विधियों के अधीन विनियमित (अन्यथा प्रदान किए गए) होंगे । |
| 30. | ठोस अपशिष्ट का प्रबंधन। | लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा । |
| 31. | पारिस्थितिकी पर्यटन। | लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा । |
| 32. | होटलों और लॉज के विद्यमान परिसरों में बाड़ लगाना। | लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा । कंटीली तार बाड़ और विद्दुत की अनुमति नहीं दी जायेगी। |
| 33. | पेट्रोल पंप। | निगरानी समिति द्वारा लागू विधियों के तहत अनुमति दी जायेगी। |
| ग. संवर्धित क्रियाकलाप | | |
| 34. | वर्षा जल संचय । | सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा । |
| 35. | जैविक खेती। | सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा । |
| 36. | सभी गतिविधियों के लिए हरित प्रौद्योगिकी का अंगीकरण । | सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा । |
| 37. | ग्रामीण कारीगरी सहित कुटीर उद्योग। | सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा । |
| 38. | नवीकरणीय ऊर्जा और ईंधन का प्रयोग । | बायोगैस, सौर प्रकाश इत्यादि को सक्रिय बढ़ावा दिया जाएगा। |
| 39. | कृषि वानिकी । | सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा । |

| | | |
|-----|---|-----------------------------------|
| 40. | बागान लगाना और औषधीय पौधों का रोपण । | सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा । |
| 41. | पारिस्थितिकी अनुकूल यातायात का प्रयोग । | सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा । |
| 42. | कौशल विकास । | सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा । |
| 43. | अवक्रमित भूमि/वनों/ पर्यावासों की बहाली । | सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा । |
| 44. | पर्यावरण के प्रति जागरूकता। | सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा । |

5. पारिस्थितिकी-संवेदी जोन अधिसूचना की निगरानी के लिए निगरानी समिति.- प्रभावी निगरानी के लिए प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 3 की उपधारा (3) द्वारा, एक मानीटरी समिति का इस अधिसूचना के अंतर्गत गठन करेगी जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी, अर्थात् :-

| क्र.सं. | निगरानी समिति का संविधान | पद |
|---------|---|---------------------------|
| (i) | जिला कलेक्टर | अध्यक्ष, पूर्व पदाधिकारी; |
| (ii) | उप मंडल अधिकारी (एसडीओ), मॉउंट आबू | सदस्य; |
| (iii) | उप मंडल अधिकारी (एसडीओ), सिरोही | सदस्य; |
| (iv) | उप प्रभागीय अधिकारी (एसडीओ), रेवदर | सदस्य; |
| (v) | अवेतनिक वन्यजीव वार्डन, मॉउंट आबू, सिरोही | सदस्य; |
| (vi) | राज्य सरकार द्वारा नामित किया जाने वाला वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में काम करन वाला गैर-सरकारी संगठन का प्रतिनिधि | सदस्य; |
| (vii) | राज्य सरकार द्वारा नामित जैव विविधता में का एक विशेषज्ञ | सदस्य; |
| (viii) | राज्य के प्रतिष्ठित संस्थान या विश्वविद्यालय से पारिस्थितिकी का एक विशेषज्ञ | सदस्य; |
| (ix) | अध्यक्ष नगरपालिका, आबू रोड | सदस्य; |
| (x) | प्रधान, पीएस, मॉउंट आबू | सदस्य; |
| (xi) | प्रधान, पीएस, रेवदर | सदस्य; |
| (xii) | प्रधान, पीएस, पिंडवाड़ा | सदस्य; |
| (xiii) | उप वन संरक्षक, मॉउंट आबू | सदस्य-सचिव। |

6. विचारार्थ विषय.- (1) मानीटरी समिति इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुपालन की मानीटरी करेगी।

(2) मानीटरी समिति का कार्यकाल तीन वर्ष तक या राज्य सरकार द्वारा नई समिति का पुनर्गठन किए जाने तक होगा और इसके बाद मानीटरी समिति राज्य सरकार द्वारा गठित की जाएगी।

(3) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले और भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1533(अ) तारीख 14 सितंबर, 2006 की अनुसूची में शामिल क्रियाकलापों इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों को छोड़कर वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं के आधार पर मानीटरी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उन्हें उक्त अधिसूचना के उपबंधों के अधीन पूर्व पर्यावरण अनापत्ति के लिए केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भेजा जाएगा।

- (4) इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों को छोड़कर, भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 1533(अ) तारीख 14 सितंबर, 2006 की अनुसूची में शामिल न किए गए परंतु पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले क्रियाकलापों की वास्तविक स्थल- विशिष्ट दशाओं के आधार पर मानीटरी समिति द्वारा सवीक्षा की जाएगी और उन्हें संबंधित विनियामक प्राधिकरणों को भेजा जाएगा।
- (5) मानीटरी समिति का सदस्य-सचिव या संबंधित उपायुक्त ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध, जो इस अधिसूचना के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है, पर्यावरण अधिनियम की धारा 19 के अधीन शिकायत दर्ज करने के लिए सक्षम होगा।
- (6) मानीटरी समिति संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों या विशेषज्ञों, औद्योगिक संघों के प्रतिनिधियों या संबंधित पक्षों को, प्रत्येक मामले में आवश्यकता के अनुसार, अपने विचार-विमर्श में सहायता के लिए आमंत्रित कर सकेगी।
- (7) मानीटरी समिति प्रत्येक वर्ष 31 मार्च की स्थिति के अनुसार अपनी वार्षिक कार्रवाई रिपोर्ट राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन को, **उपाबंध V** में दिए गए प्रपत्र के अनुसार, उस वर्ष की 30 जून तक प्रस्तुत करेगी।
- (8) केन्द्रीय सरकार का पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय मानीटरी समिति को उसके कृत्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए ऐसे निदेश दे सकेगा जो वह उचित समझे।
7. इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए केंद्रीय सरकार और राज्य सरकार, अतिरिक्त उपाय, यदि कोई हों, विनिर्दिष्ट कर सकेंगी।
8. इस अधिसूचना के उपबंध भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा पारित किए गए या पारित किए जाने वाले आदेश, यदि कोई हों, के अधीन होंगे।

[फा.सं. 25/55/2015-ईएसजेड-आरई]

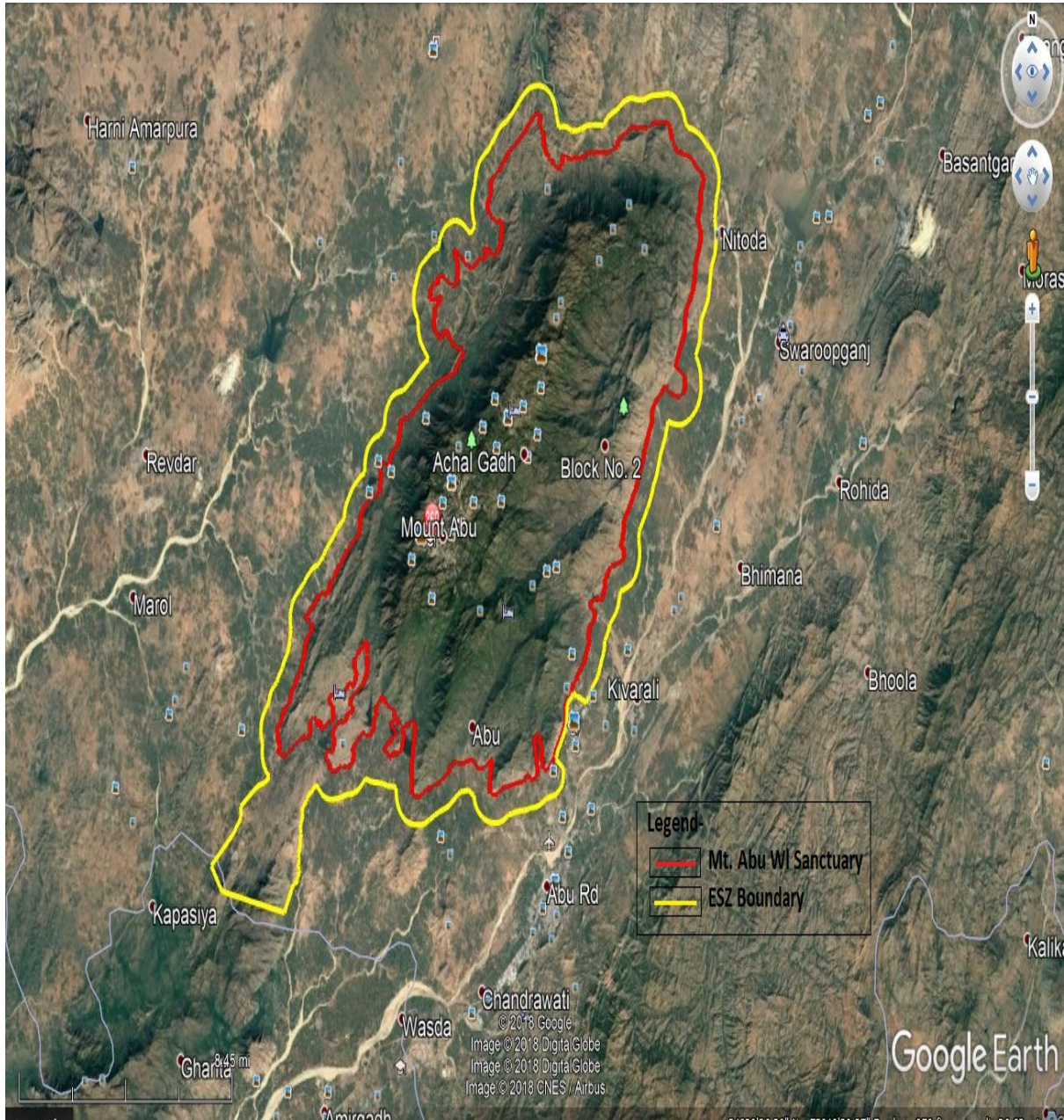
डॉ.सतीश चन्द्र गढकोटी, वैज्ञानिक 'जी'

उपाबंध- I**मॉउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का विवरण**

| | |
|---------------|--|
| उत्तर | निथोड़ा/ नानरवाडा से थेलफीखेड़ा तक, पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा 1 किलोमीटर है। |
| उत्तर-पूर्व | फूलाभाईकाखेड़ा ग्रामों, कचोली से निथोड़ा/ नानरवाडा तक, पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा 1 किलोमीटर है। |
| पूर्व | क्यारा से पंचदेवल तक, पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा 1 किलोमीटर है। |
| दक्षिण-पूर्व | धनभव ग्राम में मॉउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य की सीमा से पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा 100 मीटर है। |
| दक्षिण | गिरवर, चंदेला, अम्बावेरी, मौंगथाला और धमसारा से, पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा 1 किलोमीटर से 1.1 किलोमीटर है। |
| दक्षिण-पश्चिम | धावली से थोड़ापलदी तक, पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा 1 किलोमीटर है और फतेहपुर, सकोदा, बहादेपुरा ग्रामों से पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा 6.08 किलोमीटर है, जिसमें चौतीला, वन चौतीला, मूलियामहादेव ग्राम भी है जो या तो वन भूमि या कृषि भूमि है। |
| पश्चिम | सरलिया से अनाद्रा ग्रामों तक, डक तक, पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा 1 किलोमीटर है। |
| उत्तर-पश्चिम | थेलीखेड़ा से टोकरा ग्रामों तक, हृदमतिया और सरालिया, पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा 1 किलोमीटर है। |

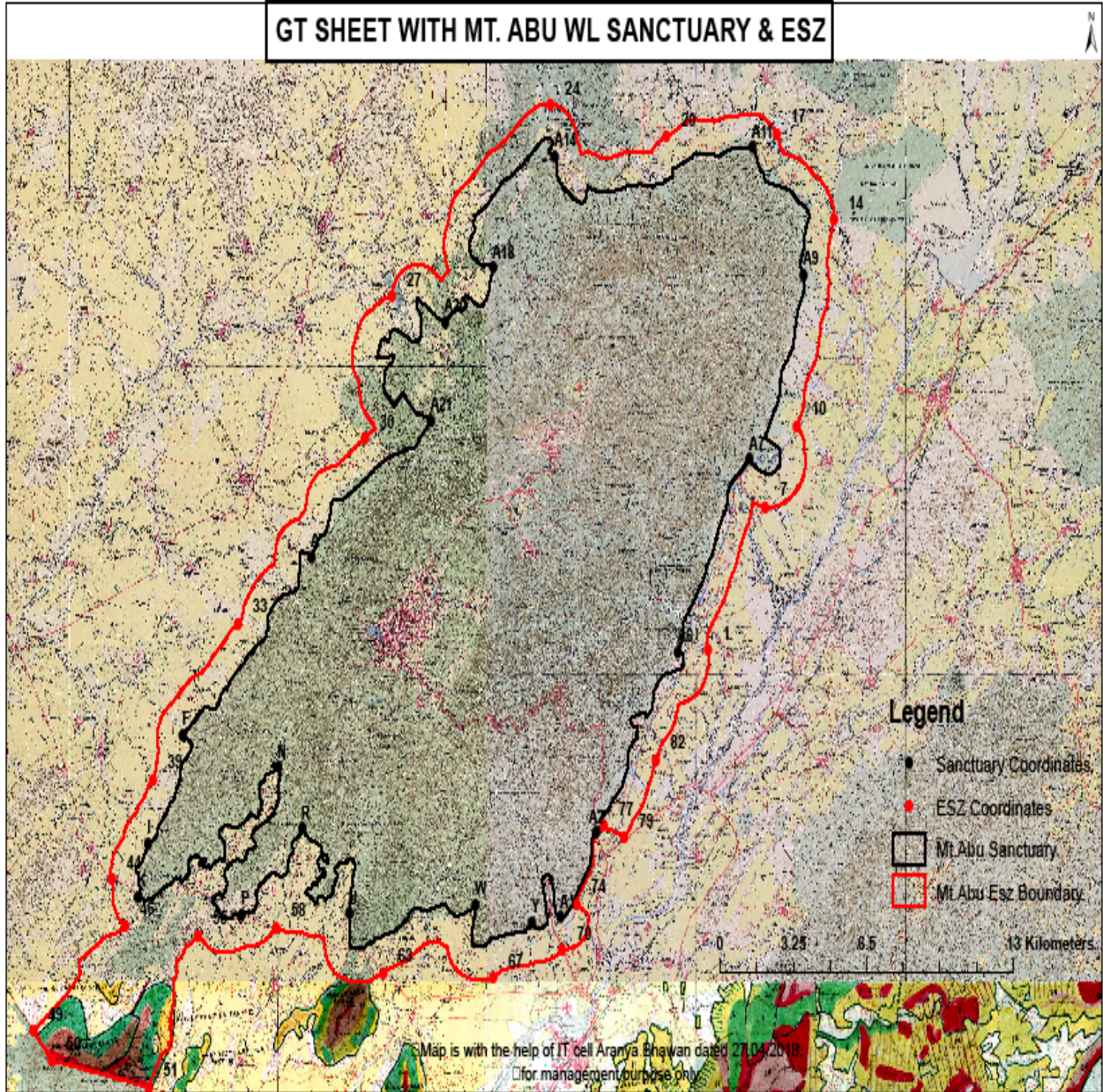
उपाबंध-11ख

मुख्य अवस्थानों के माँउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का गूगल मानचित्र



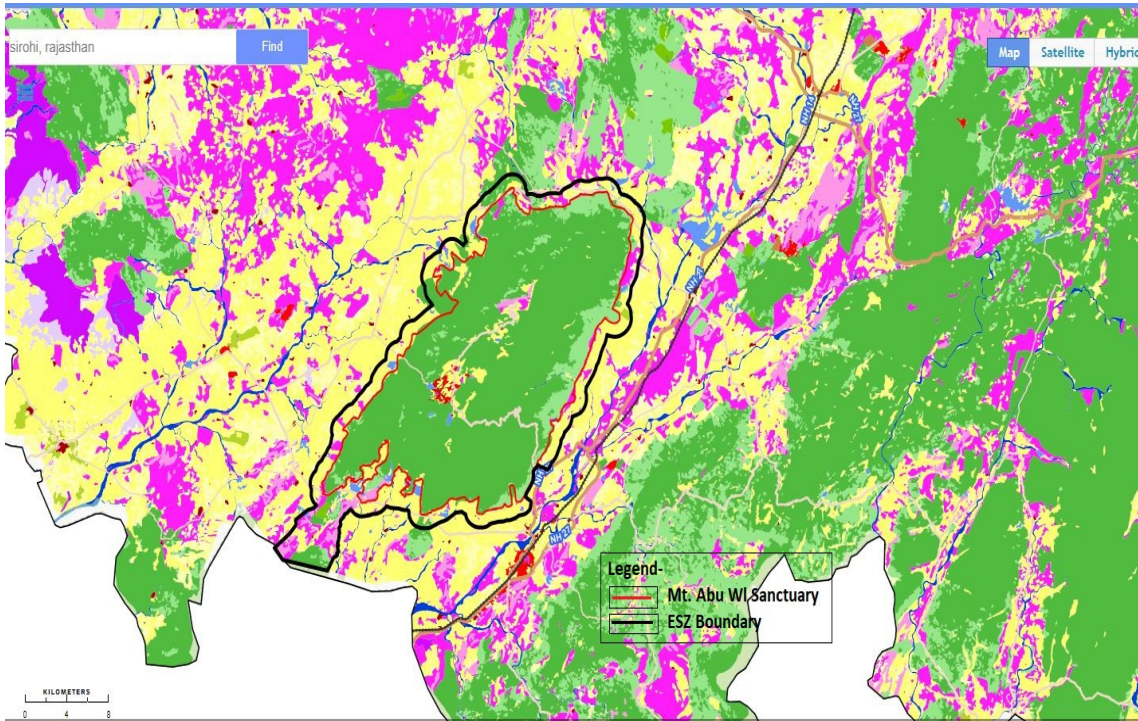
उपाबंध-11ग

भारतीय सर्वेक्षण (एस ओ आई) टोपोशीट पर मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ मॉउंट अबू वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र



उपाबंध- IIघ

राज्य राजस्थान में माँउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भूमि उपयोग पैटर्न को दर्शाने वाला मानचित्र



उपाबंध-III

सारणी क: माउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य के मुख्य अवस्थानों के भू-निर्देशांक

| क्र.सं | बिंदु कोड | अक्षांश | देशांतर | क्र.सं | बिंदु कोड | अक्षांश | देशांतर |
|--------|-----------|----------------|-----------------|--------|-----------|----------------|-----------------|
| 1 | ए | उ24° 36' 54.8" | पू72° 40' 48.7" | 26 | जेड | उ24° 31' 44.2" | पू72° 46' 25.6" |
| 2 | बी | उ24° 36' 59.7" | पू72° 40' 35.9" | 27 | ए1 | उ24° 31' 03.0" | पू72° 46' 45.3" |
| 3 | सी | उ24° 36' 25.1" | पू72° 40' 30.1" | 28 | ए2 | उ24° 32' 26.1" | पू72° 47' 36.4" |
| 4 | डी | उ24° 35' 44.0" | पू72° 39' 45.2" | 29 | ए3 | उ24° 33' 30.6" | पू72° 48' 23.0" |
| 5 | इ | उ24° 34' 25.1" | पू72° 38' 30.8" | 30 | ए4 | उ24° 34' 08.6" | पू72° 48' 30.1" |
| 6 | एफ | उ24° 34' 01.5" | पू72° 37' 44.0" | 31 | ए5 | उ24° 34' 42.2" | पू72° 48' 58.7" |
| 7 | जी | उ24° 33' 51.6" | पू72° 37' 57.2" | 32 | ए6 | उ24° 35' 22.3" | पू72° 49' 33.5" |
| 8 | एच | उ24° 32' 33.3" | पू72° 37' 10.8" | 33 | ए7 | उ24° 38' 29.9" | पू72° 51' 16.4" |
| 9 | आई | उ24° 32' 15.6" | पू72° 36' 54.1" | 34 | ए8 | उ24° 38' 50.5" | पू72° 51' 38.4" |
| 10 | जे | उ24° 31' 48.4" | पू72° 36' 36.6" | 35 | ए9 | उ24° 41' 30.8" | पू72° 52' 34.1" |
| 11 | के | उ24° 31' 23.4" | पू72° 36' 39.6" | 36 | ए10 | उ24° 42' 54.5" | पू72° 52' 07.7" |
| 12 | एल | उ24° 31' 33.5" | पू72° 37' 21.4" | 37 | ए11 | उ24° 43' 34.3" | पू72° 51' 20.4" |
| 13 | एम | उ24° 33' 31.6" | पू72° 39' 53.8" | 38 | ए12 | उ24° 43' 27.2" | पू72° 50' 07.3" |
| 14 | एन | उ24° 33' 29.2" | पू72° 40' 00.9" | 39 | ए13 | उ24° 42' 54.2" | पू72° 48' 14.6" |
| 15 | ओ | उ24° 31' 52.2" | पू72° 38' 49.0" | 40 | ए14 | उ24° 43' 25.9" | पू72° 46' 37.2" |
| 16 | पी | उ24° 31' 06.2" | पू72° 39' 08.0" | 41 | ए15 | उ24° 43' 05.6" | पू72° 45' 34.2" |
| 17 | क्यू | उ24° 31' 42.7" | पू72° 39' 45.7" | 42 | ए16 | उ24° 42' 32.5" | पू72° 44' 50.9" |
| 18 | आर | उ24° 32' 29.5" | पू72° 40' 35.0" | 43 | ए17 | उ24° 42' 13.3" | पू72° 44' 42.8" |
| 19 | एस | उ24° 31' 58.0" | पू72° 41' 06.7" | 44 | ए18 | उ24° 41' 37.1" | पू72° 45' 08.8" |
| 20 | टी | उ24° 31' 40.2" | पू72° 41' 24.7" | 45 | ए19 | उ24° 40' 59.5" | पू72° 44' 53.5" |
| 21 | यू | उ24° 31' 07.4" | पू72° 41' 42.5" | 46 | ए20 | उ24° 40' 44.0" | पू72° 43' 59.9" |
| 22 | वी | उ24° 31' 13.3" | पू72° 43' 47.7" | 47 | ए21 | उ24° 39' 08.0" | पू72° 43' 39.8" |
| 23 | डब्ल्यू | उ24° 31' 16.0" | पू72° 44' 43.6" | 48 | ए22 | उ24° 38' 41.0" | पू72° 43' 16.7" |
| 24 | एक्स | उ24° 30' 34.0" | पू72° 44' 53.9" | 49 | ए23 | उ24° 37' 46.6" | पू72° 41' 17.0" |
| 25 | वाई | उ24° 30' 58.6" | पू72° 46' 04.7" | 50 | ए24 | उ24° 37' 16.8" | पू72° 41' 07.9" |

सारणी ख: मॉउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य के चारों ओर पारिस्थितिकी संवेदी जोन के मुख्य अवस्थानों के भू-निर्देशांक

| क्र.सं | अक्षांश | देशांतर | क्र.सं | अक्षांश | देशांतर |
|--------|----------------|-----------------|--------|----------------|-----------------|
| 1 | उ24° 35' 23.9" | पू72° 50' 17.2" | 44 | उ24° 31' 40.2" | पू72° 36' 02.3" |
| 2 | उ24° 35' 47.0" | पू72° 50' 21.8" | 45 | उ24° 31' 07.8" | पू72° 36' 08.1" |
| 3 | उ24° 36' 11.3" | पू72° 50' 39.1" | 46 | उ24° 30' 54.9" | पू72° 36' 21.2" |
| 4 | उ24° 36' 42.1" | पू72° 50' 54.8" | 47 | उ24° 30' 43.6" | पू72° 35' 53.2" |
| 5 | उ24° 37' 02.8" | पू72° 51' 02.8" | 48 | उ24° 30' 20.1" | पू72° 35' 15.7" |
| 6 | उ24° 37' 29.1" | पू72° 51' 16.0" | 49 | उ24° 29' 11.8" | पू72° 34' 10.0" |
| 7 | उ24° 37' 43.7" | पू72° 51' 39.1" | 50 | उ24° 28' 43.2" | पू72° 34' 35.9" |
| 8 | उ24° 38' 14.2" | पू72° 52' 34.3" | 51 | उ24° 28' 17.1" | पू72° 36' 54.9" |
| 9 | उ24° 38' 49.0" | पू72° 52' 33.8" | 52 | उ24° 29' 06.7" | पू72° 37' 26.5" |
| 10 | उ24° 39' 02.9" | पू72° 52' 24.5" | 53 | उ24° 29' 48.6" | पू72° 37' 32.4" |
| 11 | उ24° 40' 23.2" | पू72° 52' 55.7" | 54 | उ24° 30' 26.3" | पू72° 37' 44.6" |
| 12 | उ24° 41' 37.8" | पू72° 53' 08.9" | 55 | उ24° 30' 45.6" | पू72° 38' 05.7" |
| 13 | उ24° 41' 58.0" | पू72° 53' 10.4" | 56 | उ24° 30' 29.3" | पू72° 38' 51.8" |
| 14 | उ24° 42' 23.9" | पू72° 53' 17.4" | 57 | उ24° 30' 33.0" | पू72° 39' 09.6" |
| 15 | उ24° 42' 51.8" | पू72° 53' 08.6" | 58 | उ24° 30' 52.9" | पू72° 39' 57.5" |
| 16 | उ24° 43' 21.2" | पू72° 52' 30.2" | 59 | उ24° 30' 47.2" | पू72° 40' 37.8" |
| 17 | उ24° 43' 47.5" | पू72° 51' 55.4" | 60 | उ24° 30' 41.6" | पू72° 41' 07.1" |
| 18 | उ24° 44' 06.6" | पू72° 51' 24.8" | 61 | उ24° 30' 08.4" | पू72° 41' 22.3" |
| 19 | उ24° 43' 59.8" | पू72° 50' 19.5" | 62 | उ24° 30' 02.1" | पू72° 42' 15.7" |
| 20 | उ24° 43' 44.8" | पू72° 49' 17.6" | 63 | उ24° 30' 08.8" | पू72° 42' 31.3" |
| 21 | उ24° 43' 32.1" | पू72° 48' 58.0" | 64 | उ24° 30' 39.8" | पू72° 43' 50.7" |
| 22 | उ24° 43' 30.2" | पू72° 48' 22.0" | 65 | उ24° 30' 21.1" | पू72° 44' 07.7" |
| 23 | उ24° 43' 32.6" | पू72° 47' 13.3" | 66 | उ24° 30' 05.8" | पू72° 44' 27.4" |
| 24 | उ24° 44' 16.1" | पू72° 46' 31.0" | 67 | उ24° 30' 04.3" | पू72° 45' 09.0" |
| 25 | उ24° 43' 14.6" | पू72° 44' 48.9" | 68 | उ24° 30' 14.2" | पू72° 45' 37.8" |
| 26 | उ24° 42' 46.6" | पू72° 44' 14.5" | 69 | उ24° 30' 19.2" | पू72° 46' 17.9" |
| 27 | उ24° 41' 08.9" | पू72° 42' 43.6" | 70 | उ24° 30' 30.6" | पू72° 46' 48.1" |
| 28 | उ24° 40' 45.4" | पू72° 42' 00.5" | 71 | उ24° 30' 34.0" | पू72° 47' 05.7" |
| 29 | उ24° 40' 19.7" | पू72° 41' 48.6" | 72 | उ24° 30' 47.0" | पू72° 47' 24.0" |
| 30 | उ24° 38' 50.6" | पू72° 42' 04.8" | 73 | उ24° 31' 04.9" | पू72° 47' 25.6" |
| 31 | उ24° 38' 27.1" | पू72° 41' 30.1" | 74 | उ24° 31' 15.8" | पू72° 47' 08.2" |

| | | | | | |
|----|----------------|-----------------|----|----------------|-----------------|
| 32 | उ24° 36' 44.0" | पू72° 39' 47.5" | 75 | उ24° 31' 55.6" | पू72° 47' 32.4" |
| 33 | उ24° 35' 49.7" | पू72° 39' 03.2" | 76 | उ24° 32' 22.2" | पू72° 47' 36.8" |
| 34 | उ24° 35' 03.5" | पू72° 38' 13.6" | 77 | उ24° 32' 32.7" | पू72° 47' 47.7" |
| 35 | उ24° 34' 58.5" | पू72° 38' 02.4" | 78 | उ24° 32' 27.8" | पू72° 47' 55.8" |
| 36 | उ24° 34' 43.9" | पू72° 37' 42.0" | 79 | उ24° 32' 21.1" | पू72° 48' 16.8" |
| 37 | उ24° 34' 35.8" | पू72° 37' 33.1" | 80 | उ24° 32' 52.3" | पू72° 48' 43.2" |
| 38 | उ24° 34' 03.2" | पू72° 37' 07.6" | 81 | उ24° 33' 07.6" | पू72° 48' 50.7" |
| 39 | उ24° 33' 17.7" | पू72° 37' 01.2" | 82 | उ24° 33' 36.6" | पू72° 49' 02.0" |
| 40 | उ24° 32' 53.7" | पू72° 36' 42.9" | 83 | उ24° 33' 47.5" | पू72° 49' 08.5" |
| 41 | उ24° 32' 37.6" | पू72° 36' 27.9" | 84 | उ24° 34' 15.9" | पू72° 49' 30.1" |
| 42 | उ24° 32' 21.7" | पू72° 36' 19.2" | 85 | उ24° 34' 34.0" | पू72° 49' 46.9" |
| 43 | उ24° 31' 52.9" | पू72° 36' 01.5" | | | |

उपाबंध-IV

भू-निर्देशांको के साथ मॉउट आबू वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची

| क्र.सं | ग्राम का नाम | ग्राम के प्रकार* | तहसील/ तालुका | जिला | अक्षांश (उ) (डीएमएस प्रारूप) | देशांतर (पू) (डीएमएस प्रारूप) |
|--------|-----------------|------------------|------------------|--------|---------------------------------|----------------------------------|
| 1 | ननारवारा | राजस्व | पिंडवारा | सिरोही | उ24°40'13.08" | पू72°53'49.35" |
| 2 | निटोडा | राजस्व | पिंडवारा | सिरोही | उ24°19'52.00" | पू72°53'37.46" |
| 3 | उबेरा | राजस्व | पिंडवारा | सिरोही | उ24°43'10.89" | पू72°49'35.57" |
| 4 | नागपुर | राजस्व | पिंडवारा | सिरोही | उ24°35'02.33" | पू72°50'01.43" |
| 5 | पंचदेवल | राजस्व | पिंडवारा | सिरोही | उ24°37'04.45" | पू72°05'16.18" |
| 6 | मंडवारा | राजस्व | पिंडवारा | सिरोही | उ24°43'45.73" | पू72°53'33.46" |
| 7 | खोखरी खेडा | राजस्व | पिंडवारा | सिरोही | उ24°43'23.67" | पू72°50'43.46" |
| 8 | कचोलइ | राजस्व | पिंडवारा | सिरोही | उ24°38'26.46" | पू72°53'16.20" |
| 9 | फुलाबाई का खेडा | राजस्व | पिंडवारा | सिरोही | उ24°37'29.50" | पू72°51'59.68" |
| 10 | उदवारीया | राजस्व | पिंडवारा | सिरोही | उ24°36'49.62" | पू72°53'33.58" |
| 11 | दनता | राजस्व | पिंडवारा | सिरोही | उ24°43'36.84" | पू72°51'19.86" |
| 12 | पिपेला | राजस्व | पिंडवारा | सिरोही | उ24°38'22.32" | पू72°56'51.60" |
| 13 | कोटरा | राजस्व | पिंडवारा | सिरोही | उ24°36'18.46" | पू72°50'33.27" |

| | | | | | | |
|----|---------------|---------------|----------|--------|---------------|----------------|
| 14 | माहीखेडा | राजस्व | पिंडवारा | सिरोही | उ24°30'31.44" | पू72°38'52.08" |
| 15 | इसरा | राजस्व | पिंडवारा | सिरोही | उ24°43'48.63" | पू72°48'36.41" |
| 16 | खंड सं.2 | राजस्व एवं वन | पिंडवारा | सिरोही | उ24°37'18.91" | पू72°48'56.32" |
| 17 | तेलपीखेडा | राजस्व एवं वन | सिरोही | सिरोही | उ24°43'32.66" | पू72°46'28.92" |
| 18 | हृदमतिया | राजस्व | रेओडर | सिरोही | उ24°38'34.58" | पू72°41'07.52" |
| 19 | अनादरा | राजस्व | रेओडर | सिरोही | उ24°38'19.23" | पू72°39'18.46" |
| 20 | डाक | राजस्व | रेओडर | सिरोही | उ24°35'40.81" | पू72°37'57.97" |
| 21 | धनेरा | राजस्व | रेओडर | सिरोही | उ24°34'34.64" | पू72°37'56.65" |
| 22 | पलरिखेडा | राजस्व एवं वन | रेओडर | सिरोही | उ24°31'41.40" | पू72°35'57.90" |
| 23 | मुलिया खेडा | राजस्व एवं वन | रेओडर | सिरोही | उ24°29'48.96" | पू72°35'41.05" |
| 24 | धावली | राजस्व | रेओडर | सिरोही | उ24°33'49.23" | पू72°35'41.93" |
| 25 | सिंगराली खेडा | राजस्व एवं वन | रेओडर | सिरोही | उ24°38'58.28" | पू72°41'06.48" |
| 26 | बुरारीखेडा | राजस्व एवं वन | रेओडर | सिरोही | उ24°41'14.27" | पू72°44'28.35" |
| 27 | बारी खेडा | राजस्व एवं वन | रेओडर | सिरोही | उ24°40'13.08" | पू72°53'49.35" |
| 28 | पडरूखेडा | राजस्व एवं वन | रेओडर | सिरोही | उ24°42'32.83" | पू72°44'22.71" |
| 29 | टोकरा | राजस्व एवं वन | रेओडर | सिरोही | उ24°40'11.30" | पू72°42'27.32" |
| 30 | क्यारिया | राजस्व | रेओडर | सिरोही | उ24°33'01.05" | पू72°36'14.85" |
| 31 | सरलिया | राजस्व | रेओडर | सिरोही | उ24°40'13.08" | पू72°53'49.35" |
| 32 | क्यारा | राजस्व | आबू सडक | सिरोही | उ24°34'14.31" | पू72°48'44.22" |
| 33 | झामर | राजस्व | आबू सडक | सिरोही | उ24°30'22.56" | पू72°43'38.70" |
| 34 | भाकयोरजी | राजस्व | आबू सडक | सिरोही | उ24°30'38.28" | पू72°42'43.26" |
| 35 | बगेरी | राजस्व एवं वन | आबू सडक | सिरोही | उ24°30'23.94" | पू72°41'20.30" |
| 36 | अमबाबेरी | राजस्व | आबू सडक | सिरोही | उ24°31'46.17" | पू72°41'20.03" |
| 37 | चंदेला | राजस्व एवं वन | आबू सडक | सिरोही | उ24°31'12.85" | पू72°39'33.48" |
| 38 | फतेहपुरा | राजस्व एवं वन | आबू सडक | सिरोही | उ24°31'51.43" | पू72°39'12.11" |
| 39 | सकोडा | राजस्व एवं वन | आबू सडक | सिरोही | उ24°32'31.99" | पू72°39'39.06" |
| 40 | बहादुरपुरा | राजस्व | आबू सडक | सिरोही | उ24°31'29.50" | पू72°37'48.20" |

| | | | | | | |
|----|-------------------|---------------|----------|--------|---------------|----------------|
| 41 | छोटिला | राजस्व | आबू सड़क | सिरोही | उ24°28'48.27" | पू72°37'11.47" |
| 42 | वन छोटिला | राजस्व एवं वन | आबू सड़क | सिरोही | उ24°29'21.98" | पू72°36'27.13" |
| 43 | मुलियामहादेव | राजस्व एवं वन | आबू सड़क | सिरोही | उ24°30'26.44" | पू72°36'48.91" |
| 44 | गिरवार | राजस्व | आबू सड़क | सिरोही | उ24°30'20.06" | पू72°39'23.60" |
| 45 | मुंगथाला | राजस्व एवं वन | आबू सड़क | सिरोही | उ24°29'11.80" | पू72°41'31.57" |
| 46 | धामसरा | राजस्व | आबू सड़क | सिरोही | उ24°40'13.08" | पू72°53'49.35" |
| 47 | वजना | राजस्व | आबू सड़क | सिरोही | उ24°31'17.64" | पू72°37'31.26" |
| 48 | स्मारवा का गोलिया | राजस्व | आबू सड़क | सिरोही | उ24°33'32.00" | पू72°39'23.10" |
| 49 | तलवारका नाका | राजस्व | आबू सड़क | सिरोही | उ24°30'21.3" | पू72°44'10.0" |
| 50 | गंका | राजस्व | आबू सड़क | सिरोही | उ24°30'08.0" | पू72°45'14.6" |
| 51 | उमरानी | राजस्व | आबू सड़क | सिरोही | उ24°30'57.2" | पू72°46'17.5" |
| 52 | देनवावे | राजस्व | आबू सड़क | सिरोही | उ24°31'35.3" | पू72°47'33.0" |
| 53 | आमथाला | राजस्व | आबू सड़क | सिरोही | उ24°33'24.43" | पू72°48'31.06" |
| 54 | मुदराला | राजस्व | आबू सड़क | सिरोही | उ24°33'58.0" | पू72°49'02.90" |

उपाबंध-V**की गई कार्रवाई सम्बन्धी रिपोर्ट का प्रपत्र:**

1. बैठकों की संख्या और तारीख ।
2. बैठकों का कार्यवृत्त : कृपया मुख्य उल्लेखनीय बिंदुओं का वर्णन करें । बैठक के कार्यवृत्त को एक पृथक उपाबंध में प्रस्तुत करें ।
3. पर्यटन महायोजना सहित आंचलिक महायोजना की तैयारी की स्थिति ।
4. भू-अभिलेखों की स्पष्ट त्रुटियों के सुधार के लिए निबटाए गए मामलों का सार। विवरण उपाबंध के रूप में संलग्न करें।
5. पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना, 2006 के अधीन आने वाली गतिविधियों से संबंधित संवीक्षा किए गए मामलों का सार।(विवरण एक पृथक उपाबंध के रूप में संलग्न करें)।
6. पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना, 2006 के अधीन न आने वाली गतिविधियों से संबंधित संवीक्षा किए गए मामलों का सार । (विवरण एक पृथक उपाबंध के रूप में संलग्न करें)।
7. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन दर्ज की गई शिकायतों का सार ।
8. कोई अन्य महत्वपूर्ण मामला ।

MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd June, 2019

S.O.1917(E).—In supersession of Ministry's draft notification S.O. 3122 (E), dated 20th November, 2015, the following draft of the notification, which the Central Government proposes to issue in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (v) and clause (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) is hereby published, as required under sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, for the information of the public likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft notification shall be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date on which copies of the Gazette containing this notification are made available to the public;

Any person interested in making any objections or suggestions on the proposals contained in the draft notification may forward the same in writing, for consideration of the Central Government within the period so specified to the Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Indira Paryavaran Bhawan, Jorbagh Road, Aliganj, New Delhi-110 003, or send it to the e-mail address of the Ministry at esz-mef@nic.in

Draft Notification

WHEREAS, Mount Abu Wildlife Sanctuary is situated in Sirohi district of Rajasthan close to the borders of Gujarat, between 24° 33' to 24° 43' N and 72° 38' to 72°53' E in the southern part of the Aravali Mountain Range. The sanctuary is spread over an area of 326.09 square kilometers and extent across Abu Road, Pindwara and Revder Tehsil of Sirohi district;

AND WHEREAS, Mount Abu is a unique ecosystem due to its altitudinal variations ranges from 300 to 1722 meters above sea level and harbor variety of rare, endangered and endemic flora and fauna. It was declared as Wildlife Sanctuary in 1960 which further changes finally notified in year 2008. Being the only hill station between the states of Rajasthan and Gujarat and its rich historical and cultural diversity, more than 15 lakhs tourists visit the place every year. The sanctuary comprises the oldest mountain ranges i.e. the Aravalli in Sirohi district of Rajasthan. The detached group of hills rises suddenly from the flat plain like a rocky island;

AND WHEREAS, Mount Abu has a very rich floral biodiversity starting with xeromorphic subtropical thorn forest at the foot hills to subtropical evergreen forest along water courses and valleys at higher altitudes. These forests consist of 112 plant families with 449 genera and 820 species;

AND WHEREAS, major flora recorded from Mount Abu Wildlife Sanctuary are *Mangifera indica* (mango), *Morinda tinctoria* (Indian mulberry), *Buchanania lanzan* (chironji), *Cassia fistula*, (golden rain tree), *Emblia officinalis* (amla), *Sapindus emarginatus* (notched leaf soapnut), *Acacia nilotica* (babul), *Ficus benghalensis* (banyan), *Terminalia bellerica*, *Angle marmelos*, *Diospyros cordifolia*, *Ziziphus mauritiana*, *Syzygium cumini*, *Holoptelea integrifolia*, *Butea monosperma*, *Anogeissus latifolia*, *Anogeissus pendula*, *Ficus religiosa*, *Acacia leucophloea*, *Mallotus philippinensis*, *Terminalia tomentosa*, *Tectona grandis* (teak), *Terminalia arjuna* (arjuna), *Wrightia tomentosa*, *Albizia lebbbeck*, *Albizia procera* (tall albizia), *Solanum virginianum* (**thorny nightshade**), *Carissa carandas*, etc.;

AND WHEREAS, the important fauna recorded from the Sanctuary includes Hanuman langur (*Semnopithecus entellus*), leopard (*Panthera pardus*), jungle cat (*Felis chaus*), Grey Mongoose (*Herpestes edwardsii*), Jackal (*Canis aureus*), Indian Fox (*Vulpes bengalensis*), striped hyena (*Hyaena hyaena*), common palm civet (*Paradoxurus hermaphroditus*), honey badger (*Mellivora capensis*), Indian hedgehog (*Hemiechinus micropus*), blue bull (*Boselaphus tragocamelus*), sambar deer (*Cervus unicornis*), Indian wild boar (*Sus scrofa*), five striped palm squirrel (*Funambulus pennantii*), house shrew (*Suncus murinus*), Indian porcupine (*Hystrix indica*), Indian hare (*Lepus nigricollis*), Indian wolf (*Canis lupus*), sloth bear (*Melursus ursinus*), green avadavat (*Amandava formosa*), Asian paradise flycatcher (*Terpsiphone paradisi*), Indian scimitar babbler (*Pomatorhonus horsfieldii*), red whiskered bulbul (*Pycnonotus jacosus*), Indian peafowl (*Pavo cristatus*), white breasted water hen (*Amaurornis phoenicurus*), Oriental honey buzzard (*Pernis ptilorhynchus*), etc. While, major reptiles found in the area are crocodiles (*Crocodylus palustris*), Indian mud turtle (*Lissemys punctata*), starred tortoise (*Geochelone elegans*), Brooks gecko (*Hemidactylus brookii*), rock gecko (*Hemidactylus maculatus*), Forsten's cat snake (*Boiga forsteni*), checkered keelback (*Xenochrophis piscator*), common garden lizard (*Calotes versicolor*), Indian chameleon (*Chameleon calcaratus*), saw scaled viper (*Echis carinatus*), common skink (*Eutropis carinata*), monitor lizard (*Varanus bengalensis*), Indian python (*Python molurus*), common rat snake (*Ptyas mucosus*), green keelback (*Macropisthodon plumbicolor*), common Indian krait (*Bungarus caeruleus*), Indian cobra (*Naja naja*), Russell's viper (*Daboia russelli*), etc. and birds such as green munia, jungle babbler, cattle egret, purple sunbird, Indian pond heron, ashy prinia, crested serpent-eagle, Oriental honey buzzard, Indian blackbird, white-spotted fantail-flycatcher, rock pigeon, peregrine falcon, Oriental white-eye, crested bunting, Coppersmith barbet, Indian grey hornbill, rosy starling, black redstart, black drongo etc. are found in the region;

AND WHEREAS, endangered species recorded from the Sanctuary are *Anogeissus sericea*, *Begonia trichocarpa* (hairy-fruit begonia), *Crotalaria filipes* (creeping hemp), *Indigofera constricta*, *Panthera pardus* (leopard), *Melursus ursinus* (sloth bear), etc. While major endemic species recorded from the Sanctuary are sub-species of *Dicliptera abuensis*, *Strobilanthes callosus* and *Rosa involucrate*, etc.;

AND WHEREAS, it is necessary to conserve and protect the area, the extent and boundaries of Mount Abu Wildlife Sanctuary which are specified in paragraph 1 as Eco-sensitive Zone from ecological, environmental and biodiversity point of view and to prohibit industries or class of industries and their operations and processes in the said Eco-sensitive Zone;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub section (1) and clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of Section 3 of the Environment (Protection) Act 1986 (29 of 1986) (hereafter in this notification referred to as the Environment Act) read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby notifies an area to an extent of 0.1 kilometres to 6.08 kilometres around the boundary of Mount Abu Wildlife Sanctuary, in Sirohi district in the State of Rajasthan as Eco-sensitive Zone (here after in this notification referred to as the Eco-sensitive Zone) details of which are as under, namely: -

- 1. Extent and boundaries of Eco-sensitive Zone.** – (1) The Eco-sensitive Zone shall be to an extent of 0.1 kilometres to 6.08 kilometres around the boundary of Mount Abu Wildlife Sanctuary which also includes the important corridor connectivity between Mount Abu Wildlife Sanctuary and Jessore Sloth Bear Sanctuary of Gujarat that will help to preserve and maintain long time healthy gene pool for the animal like sloth bear, leopard, hyena, etc. The area of the Eco-sensitive Zone is 125.15 square kilometres. The extent of Eco-sensitive Zone in different directions are given below:-

| Directions | Extent (kilometers) |
|--------------------|---------------------|
| <i>North</i> | <i>1</i> |
| <i>North- East</i> | <i>1</i> |
| <i>East</i> | <i>1</i> |
| <i>South-East</i> | <i>0.1</i> |
| <i>South</i> | <i>1.1</i> |
| <i>South-West</i> | <i>6.08</i> |
| <i>West</i> | <i>1</i> |
| <i>North-West</i> | <i>1</i> |

- (2) The boundary description of Mount Abu Wildlife Sanctuary and its Eco-sensitive Zone is appended in **Annexure-I**.
- (3) The maps of the Mount Abu Wildlife Sanctuary demarcating Eco-sensitive Zone along with boundary details and latitudes and longitudes are appended as **Annexure-IIA**, **Annexure-IIB**, **Annexure-IIC** and **Annexure-IID**.
- (4) List of geo-coordinates of the boundary of Mount Abu Wildlife Sanctuary and Eco-sensitive Zone are given in Table **A** and Table **B** of **Annexure III**.
- (5) The list of villages falling in the proposed Eco-sensitive Zone along with their geo co-ordinates at prominent points is appended as **Annexure-IV**.
- 2. Zonal Master Plan for Eco-sensitive Zone.**- (1) The State Government shall, for the purposes of the Eco-sensitive Zone prepare a Zonal Master Plan within a period of two years from the date of publication of this notification in the Official Gazette, in consultation with local people and adhering to the stipulations given in this notification for approval of the Competent authority of State.
- (2) The Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone shall be prepared by the State Government in such manner as is specified in this notification and also in consonance with the relevant Central and State laws and the guidelines issued by the Central Government, if any.

- (3) The Zonal Master Plan shall be prepared in consultation with the following Departments of the State Government, for integrating the ecological and environmental considerations into the said plan:-
- (i) Environment;
 - (ii) Forest and Wildlife;
 - (iii) Urban Development;
 - (iv) Tourism;
 - (v) Municipal;
 - (vi) Revenue;
 - (vii) Agriculture;
 - (viii) Rajasthan State Pollution Control Board;
 - (ix) Irrigation and Flood Control;
 - (x) Rural Development;
 - (xi) Panchayati Raj; and
 - (xii) Public Works Department.
- (4) The Zonal Master Plan shall not impose any restriction on the approved existing land use, infrastructure and activities, unless so specified in this notification and the Zonal Master Plan shall factor in improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and eco-friendly.
- (5) The Zonal Master Plan shall provide for restoration of denuded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, groundwater management, soil and moisture conservation, needs of local community and such other aspects of the ecology and environment that need attention.
- (6) The Zonal Master Plan shall demarcate all the existing worshipping places, villages and urban settlements, types and kinds of forests, agricultural areas, fertile lands, green area, such as, parks and like places, horticultural areas, orchards, lakes and other water bodies with supporting maps giving details of existing and proposed land use features.
- (7) The Zonal Master Plan shall regulate development in Eco-sensitive Zone and adhere to prohibited and regulated activities listed in the Table in paragraph 4 and also ensure and promote eco-friendly development for security of local communities' livelihood.
- (8) The Zonal Master Plan shall be co-terminus with the Regional Development Plan.
- (9) The Zonal Master Plan so approved shall be the reference document for the Monitoring Committee for carrying out its functions of monitoring in accordance with the provisions of this notification.
- 3. Measures to be taken by the State Government.-** The State Government shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely:-
- (1) **Land use.-** (a) Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes in the Eco-sensitive Zone shall not be used or converted into areas for commercial or residential or industrial activities:
- Provided that the conversion of agricultural and other lands, for the purpose other than that specified at part (a) above, within the Eco-sensitive Zone may be permitted on the recommendation of the Monitoring Committee, and with the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of Central Government or State Government as applicable and *vide* provisions of this Notification, to meet the residential needs of the local residents and for activities such as:-
- (i) widening and strengthening of existing roads and construction of new roads;
 - (ii) construction and renovation of infrastructure and civic amenities;
 - (iii) small scale industries not causing pollution;
 - (iv) cottage industries including village industries; convenience stores and local amenities supporting eco-tourism including home stay;

- (v) rainwater harvesting; and
- (vi) promoted activities given under paragraph 4:

Provided further that no use of tribal land shall be permitted for commercial and industrial development activities without the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of the State Government and without compliance of the provisions of article 244 of the Constitution or the law for the time being in force, including the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 (2 of 2007):

Provided also that any error appearing in the land records within the Eco-sensitive Zone shall be corrected by the State Government, after obtaining the views of Monitoring Committee, once in each case and the correction of said error shall be intimated to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change:

Provided also that the correction of error shall not include change of land use in any case except as provided under this sub-paragraph.

- (b) Efforts shall be made to reforest the unused or unproductive agricultural areas with afforestation and habitat restoration activities.
- (2) **Natural water bodies.**-The catchment areas of all natural springs shall be identified and plans for their conservation and rejuvenation shall be incorporated in the Zonal Master Plan and the guidelines shall be drawn up by the State Government in such a manner as to prohibit development activities at or near these areas which are detrimental to such areas.
- (3) **Tourism or Eco-tourism.**- (a) All new eco-tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be as per the Tourism Master Plan for the Eco-sensitive Zone.
 - (b) The Eco-Tourism Master Plan shall be prepared by the State Department of Tourism in consultation with State Departments of Environment and Forests.
 - (c) The Tourism Master Plan shall form a component of the Zonal Master Plan.
 - (d) The activities of eco-tourism shall be regulated as under, namely:-
 - (i) new construction of hotels and resorts shall not be allowed within one kilometre from the boundary of the Wildlife Sanctuary or upto the extent of the Eco-sensitive Zone whichever is nearer:

Provided that beyond the distance of one kilometre from the boundary of the Wildlife Sanctuary till the extent of the Eco-sensitive Zone, the establishment of new hotels and resorts shall be allowed only in pre-defined and designated areas for eco-tourism facilities as per Tourism Master Plan;
 - (ii) all new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the guidelines issued by the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change and the eco-tourism guidelines issued by National Tiger Conservation Authority (as amended from time to time) with emphasis on eco-tourism;
 - (iii) until the Zonal Master Plan is approved, development for tourism and expansion of existing tourism activities shall be permitted by the concerned regulatory authorities based on the actual site specific scrutiny and recommendation of the Monitoring Committee and no new hotel, resort or commercial establishment construction shall be permitted within Eco-sensitive Zone area.
- (4) **Natural heritage.**- All sites of valuable natural heritage in the Eco-sensitive Zone, such as the gene pool reserve areas, rock formations, waterfalls, springs, gorges, groves, caves, points, walks, rides, cliffs, etc. shall be identified and a heritage conservation plan shall be drawn up for their preservation and conservation as a part of the Zonal Master Plan.
- (5) **Man-made heritage sites.**- Buildings, structures, artefacts, areas and precincts of historical, architectural, aesthetic, and cultural significance shall be identified in the Eco-sensitive Zone and heritage conservation plan for their conservation shall be prepared as part of the Zonal Master Plan.
- (6) **Noise pollution.** - Prevention and control of noise pollution in the Eco-sensitive Zone shall be complied in accordance with the provisions of the Noise Pollution (Regulation and Control) Rules, 2000 under the Environment Act.
- (7) **Air pollution.**- Prevention and control of air pollution in the Eco-sensitive Zone shall be complied in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981) and the rules made thereunder.

- (8) **Discharge of effluents.-** Discharge of treated effluent in Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the provisions of the General Standards for Discharge of Environmental Pollutants covered under the Environment Act and the rules made thereunder or standards stipulated by State Government whichever is more stringent.
- (9) **Solid wastes.-** Disposal and Management of solid wastes shall be as under:-
- the solid waste disposal and management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Solid Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number S.O. 1357 (E), dated the 8th April, 2016; the inorganic material may be disposed in an environmental acceptable manner at site identified outside the Eco-sensitive Zone;
 - safe and Environmentally Sound Management (ESM) of Solid wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within Eco-sensitive Zone.
- (10) **Bio-Medical Waste.-** Bio Medical Waste Management shall be as under:-
- the Bio-Medical Waste disposal in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Bio-Medical Waste Management, Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R 343 (E), dated the 28th March, 2016.
 - safe and Environmentally Sound Management of Bio-Medical Wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within the Eco-sensitive Zone.
- (11) **Plastic waste management.-** The plastic waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Plastic Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 340(E), dated the 18th March, 2016, as amended from time to time.
- (12) **Construction and demolition waste management.-** The construction and demolition waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Construction and Demolition Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 317(E), dated the 29th March, 2016, as amended from time to time.
- (13) **E-waste.-** The e - waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the E-Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, as amended from time to time.
- (14) **Vehicular traffic.-** The vehicular movement of traffic shall be regulated in a habitat friendly manner and specific provisions in this regard shall be incorporated in the Zonal Master Plan and till such time as the Zonal Master plan is prepared and approved by the Competent Authority in the State Government, the Monitoring Committee shall monitor compliance of vehicular movement under the relevant Acts and the rules and regulations made thereunder.
- (15) **Vehicular pollution.-** Prevention and control of vehicular pollution shall be in compliance with applicable laws and efforts shall be made for use of cleaner fuels.
- (16) **Industrial units.-** (i) On or after the publication of this notification in the Official Gazette, no new polluting industries shall be permitted to be set up within the Eco-sensitive Zone.
- Only non-polluting industries shall be allowed within Eco-sensitive Zone as per the classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, unless so specified in this notification, and in addition, the non-polluting cottage industries shall be promoted.
- (17) **Protection of hill slopes.-** The protection of hill slopes shall be as under:-
- the Zonal Master Plan shall indicate areas on hill slopes where no construction shall be permitted;
 - construction on existing steep hill slopes or slopes with a high degree of erosion shall not be permitted.
4. **List of activities prohibited or to be regulated within Eco-sensitive Zone.-** All activities in the Eco sensitive Zone shall be governed by the provisions of the Environment Act and the rules made there under including the Coastal Regulation Zone, 2011 and the Environmental Impact Assessment Notification, 2006 and other applicable laws including the Forest (Conservation) Act, 1980 (69 of 1980), the Indian Forest Act, 1927 (16 of 1927), the Wildlife (Protection) Act 1972 (53 of 1972), and amendments made thereto and be regulated in the manner specified in the Table below, namely:-

TABLE

| S No | Activity | Description |
|---------------------------------|--|---|
| (1) | (2) | (3) |
| A. Prohibited Activities | | |
| 1. | Commercial mining, stone quarrying and crushing units | (a) All new and existing mining (minor and major minerals), stone quarrying and crushing units are prohibited with immediate effect except for meeting the domestic needs of bona fide local residents including digging of earth for construction or repair of houses and for manufacture of country tiles or bricks for housing and for other activities; (b) The mining operations shall be carried out in accordance with the order of the Hon'ble Supreme Court dated the 4 th August 2006 in the matter of T.N. Godavarman Thirumulpad Vs. UOI in W.P.(C) No.202 of 1995 and dated the 21 st April 2014 in the matter of Goa Foundation Vs. UOI in W.P.(C) No.435 of 2012. |
| 2. | Setting of industries causing pollution (Water, Air, Soil, Noise, etc.). | New industries and expansion of existing polluting industries in the Eco-sensitive Zone shall not be permitted: Provided that non-polluting industries shall be allowed within Eco-sensitive Zone as per classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, unless otherwise specified in this notification and in addition the non-polluting cottage industries shall be promoted. |
| 3. | Establishment of major hydro-electric project. | Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws. |
| 4. | Use or production or processing of any hazardous substances. | Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws. |
| 5. | Discharge of untreated effluents in natural water bodies or land area. | Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws. |
| 6. | Setting up of new saw mills. | New or expansion of existing saw mills shall not be permitted within the Eco-sensitive Zone. |
| 7. | Setting up of brick kilns. | Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws. |
| 8. | Commercial use of firewood. | Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws. |
| 9. | New wood based industry. | Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws. |
| 10. | Fishing. | Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws. |
| 11. | Use of high Intensity and bright lights. | Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws. |
| B. Regulated Activities | | |
| 12. | Commercial establishment of hotels and resorts. | No new commercial hotels and resorts shall be permitted within one kilometer of the boundary of the protected area or upto the extent of Eco-sensitive Zone, whichever is nearer, except for small temporary structures for eco-tourism activities: Provided that, beyond one kilometer from the boundary of the protected area or upto the extent of Eco-sensitive Zone whichever is nearer, all new tourist activities or expansion of existing activities shall be in conformity with the Tourism Master Plan and guidelines as applicable. |
| 13. | Construction activities. | (a) New commercial construction of any kind shall not be permitted within one kilometer from the boundary of the protected area or |

| | | |
|-----|---|---|
| | | <p>upto extent of the Eco-sensitive Zone, whichever is nearer:</p> <p>Provided that, local people shall be permitted to undertake construction in their land for their use including the activities mentioned in sub-paragraph (1) of paragraph 3 as per building bye-laws to meet the residential needs of the local residents.</p> <p>Provided further that the construction activity related to small scale industries not causing pollution shall be regulated and kept at the minimum, with the prior permission from the competent authority as per applicable rules and regulations, if any.</p> <p>(b) Beyond one kilometre it shall be regulated as per the Zonal Master Plan.</p> |
| 14. | Small scale non polluting industries. | Non polluting industries as per classification of industries issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016 and non-hazardous, small-scale and service industry, agriculture, floriculture, horticulture or agro-based industry producing products from indigenous materials from the Eco-sensitive Zone shall be permitted by the competent Authority. |
| 15. | Felling of trees. | <p>(a) There shall be no felling of trees in the forest or Government or revenue or private lands without prior permission of the Competent Authority in the State Government.</p> <p>(b) The felling of trees shall be regulated in accordance with the provisions of the concerned Central or State Act and the rules made thereunder.</p> |
| 16. | Collection of Forest produce or Non-Timber Forest produce. | Regulated as per the applicable laws. |
| 17. | Erection of electrical and communication towers and laying of cables and other infrastructures. | Regulated under applicable laws (underground cabling may be promoted). |
| 18. | Infrastructure including civic amenities. | Taking measures of mitigation as per the applicable laws, rules and regulations available guidelines. |
| 19. | Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads. | Taking measures of mitigation as per the applicable laws, rules and regulation and available guidelines. |
| 20. | Undertaking other activities related to tourism like flying over the Eco-sensitive Zone area by hot air balloon, helicopter, drones, Microlites, etc. | Regulated as per the applicable laws. |
| 21. | Protection of hill slopes and river banks. | Regulated as per the applicable laws. |
| 22. | Movement of vehicular traffic at night. | Regulated for commercial purpose under applicable laws. |
| 23. | Ongoing agriculture and horticulture practices by local communities along with dairies, dairy farming, aquaculture and fisheries. | Permitted as per the applicable laws for use of locals. |
| 24. | Discharge of treated waste water or effluents in natural water bodies or land area. | The discharge of treated waste water or effluents shall be avoided to enter into the water bodies and efforts shall be made for recycle and reuse of treated waste water. Otherwise the discharge of treated waste water or effluent shall be regulated as per the applicable laws. |

| | | |
|-------------------------------|--|--|
| 25. | Commercial extraction of surface and ground water. | Regulated as per the applicable laws. |
| 26. | Introduction of exotic species. | Regulated as per the applicable laws. |
| 27. | Use of polythene bags. | Use of polythene bags are permitted within the Eco sensitive Zone: Provided that based on specific requirement, it shall be regulated as per the applicable laws. |
| 28. | Commercial sign boards and hoardings. | Regulated as per the applicable laws. |
| 29. | Establishment of large-scale commercial livestock and poultry farms by firms, corporate and companies. | Regulated (except otherwise provided) as per the applicable laws except for meeting local needs. |
| 30. | Solid waste management. | Regulated as per the applicable laws. |
| 31. | Eco-tourism. | Regulated as per the applicable laws. |
| 32. | Fencing of existing premises of hotels and lodges. | Regulated as per the applicable laws (Barbed wire fencing and electrical fencing shall not be permitted). |
| 33. | Petrol Pump. | Permission under applicable laws by Monitoring Committee |
| C. Promoted Activities | | |
| 34. | Rain water harvesting. | Shall be actively promoted. |
| 35. | Organic farming. | Shall be actively promoted. |
| 36. | Adoption of green technology for all activities. | Shall be actively promoted. |
| 37. | Cottage industries including village artisans, etc. | Shall be actively promoted. |
| 38. | Use of renewable energy and fuels. | Bio-gas, solar light etc. shall be actively promoted. |
| 39. | Agro-Forestry. | Shall be actively promoted. |
| 40. | Plantation of Horticulture and Herbals. | Shall be actively promoted. |
| 41. | Use of eco-friendly transport. | Shall be actively promoted. |
| 42. | Skill Development. | Shall be actively promoted. |
| 43. | Restoration of degraded land/ forests/ habitat. | Shall be actively promoted. |
| 44. | Environmental awareness. | Shall be actively promoted. |

5. Monitoring Committee for Monitoring the Eco-sensitive Zone Notification.- For effective monitoring of the provisions of this notification under sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986, the Central Government hereby constitutes a Monitoring Committee, comprising of the following, namely:-

| S N | Constituent of the Monitoring Committee | Designation |
|-------|---|----------------------|
| (i) | District Collector | Chairman, ex officio |
| (ii) | Sub Divisional Officer (SDO), Mount Abu | Member; |
| (iii) | Sub Divisional Officer (SDO), Sirohi | Member; |
| (iv) | Sub Divisional Officer (SDO), Revder | Member; |
| (v) | Honorary Wildlife Warden, Mount Abu, Sirohi | Member; |

| | | |
|--------|---|-------------------|
| (vi) | A representative of Non-governmental Organisation working in the field of wildlife conservation to be nominated by the State Government | Member; |
| (vii) | A expert in Biodiversity nominated by the State Government | Member; |
| (viii) | One expert in Ecology from reputed institution or university of the State | Member; |
| (ix) | Chairperson Nagar palika, Abu Road | Member; |
| (x) | Pradhan, PS, Mt Abu | Member; |
| (xi) | Pradhan, PS, Revder | Member; |
| (xii) | Pradhan, PS, Pindwara | Member; |
| (xiii) | Deputy Conservator of Forests, Mount Abu | Member-Secretary. |

6. Terms of reference. – (1) The Monitoring Committee shall monitor the compliance of the provisions of this notification.

- (2) The tenure of the Monitoring committee shall be for three years or till the re-constitution of the new Committee by the State Government and subsequently the Monitoring Committee shall be constituted by the State Government.
- (3) The activities that are covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forest number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006, and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change for prior environmental clearances under the provisions of the said notification.
- (4) The activities that are not covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forest number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006 and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned regulatory authorities.
- (5) The Member-Secretary of the Monitoring Committee or the concerned Deputy Commissioner(s) shall be competent to file complaints under section 19 of the Environment Act, against any person who contravenes the provisions of this notification.
- (6) The Monitoring Committee may invite representatives or experts from concerned Departments, representatives from industry associations or concerned stakeholders to assist in its deliberations depending on the requirements on issue to issue basis.
- (7) The Monitoring Committee shall submit the annual action taken report of its activities as on the 31st March of every year by the 30th June of that year to the Chief Wildlife Warden in the State as per proforma appended at Annexure V.
- (8) The Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change may give such directions, as it deems fit, to the Monitoring Committee for effective discharge of its functions.

7. The Central Government and State Government may specify additional measures, if any, for giving effect to provisions of this notification.

8. The provisions of this notification shall be subject to the orders, if any passed or to be passed by the Hon'ble Supreme Court of India or High Court or the National Green Tribunal.

[F. No. 25/55/2015-ESZ-RE]

Dr. SATISH C. GARKOTI, Scientist 'G'

ANNEXURE- I**BOUNDARY DESCRIPTION OF ECO-SENSITIVE ZONE OF THE MOUNT ABU WILDLIFE SANCTUARY**

| | |
|--------------------|--|
| <i>North</i> | <i>From Villages Nithoda / Nanarwada to Thelphi Kheda, Eco-sensitive Zone boundary of 1 kilometer.</i> |
| <i>North- East</i> | <i>From Villages Phulabhai ka Kheda, Kacholi to Nithoda/ Nanarwada, Eco-sensitive Zone boundary of 1 kilometer.</i> |
| <i>East</i> | <i>From Village Kyara to Panchdeval, Eco-sensitive Zone boundary of 1 kilometer.</i> |
| <i>South-East</i> | <i>In Village Dhanbhav Eco-sensitive Zone boundary of 100 meters from Boundary of Mount Abu Wildlife Sanctuary.</i> |
| <i>South</i> | <i>From Villages Girwar, Chandela, Ambaberi, Moongthala and Dhamsara, Eco-sensitive Zone boundary of 1 kilometer to 1.1 kilometers.</i> |
| <i>South-West</i> | <i>From Villages Dhavli to Thoda Paladi, Eco-sensitive Zone boundary of 1 kilometer and from villages Fatehpura, Sakoda, Bahadepura Eco-sensitive Zone boundary of 6.08 kilometers, which also contains Chautila, Forest Chautila, Muliya Mahadev villages which are either Forest land or Agricultural lands.</i> |
| <i>West</i> | <i>From Villages Sarliya to Anadra, till Dak, Eco-sensitive Zone boundary of 1 kilometer.</i> |
| <i>North-West</i> | <i>From Villages Thelphi Kheda to Tokra, Hadmatiya and Saraliya, Eco-sensitive Zone boundary of 1 kilometer.</i> |

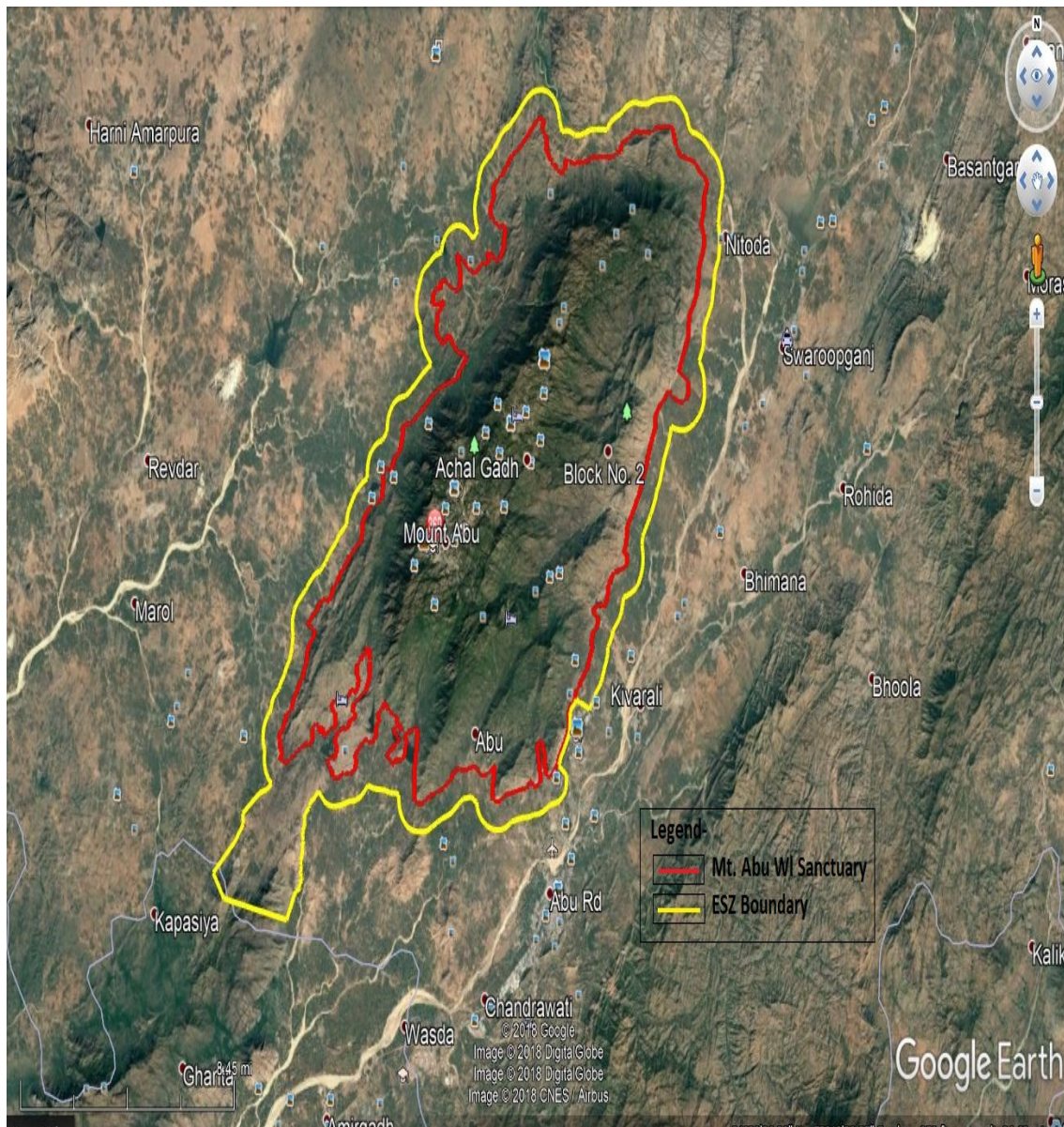
ANNEXURE- IIA

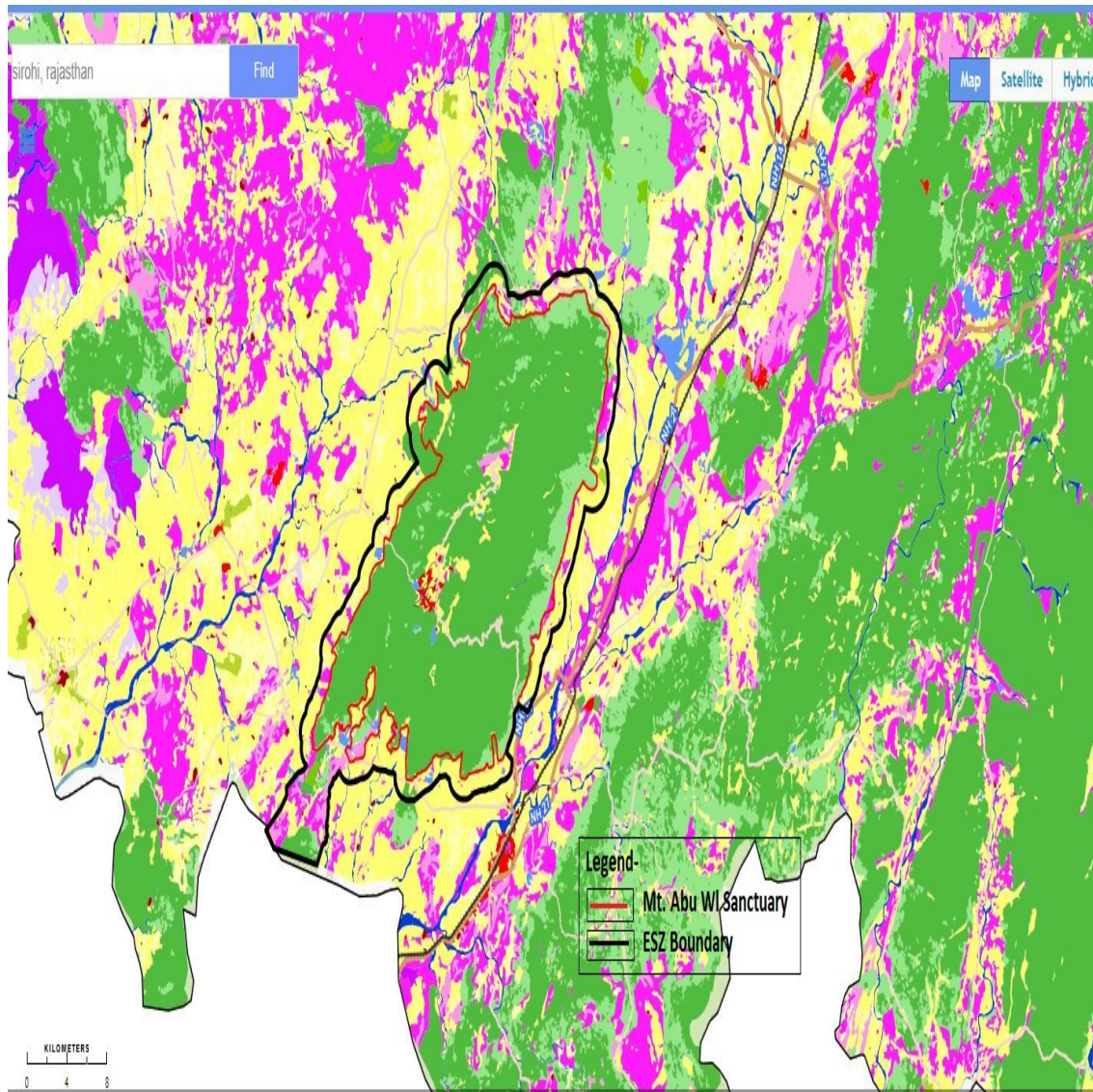
LOCATION MAP OF MOUNT ABU WILDLIFE SANCTUARY IN SIROHI DISTRICT OF RAJASTHAN



ANNEXURE- IIB

GOOGLE MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF MOUNT ABU WILDLIFE SANCTUARY ALONG WITH PROMINENT LOCATIONS



ANNEXURE- IID**MAP SHOWING LANDUSE PATTERN OF ECO-SENSITIVE ZONE OF MOUNT ABU WILDLIFE SANCTUARY IN THE STATE OF RAJASTHAN****ANNEXURE-III****TABLE A: GEO- COORDINATES OF PROMINENT LOCATIONS OF MOUNT ABU WILDLIFE SANCTUARY**

| S. No. | Point Code | Latitude | Longitude | S. No. | Point Code | Latitude | Longitude |
|--------|------------|----------------|----------------|--------|------------|----------------|----------------|
| 1 | A | N24° 36' 54.8" | E72° 40' 48.7" | 26 | Z | N24° 31' 44.2" | E72° 46' 25.6" |
| 2 | B | N24° 36' 59.7" | E72° 40' 35.9" | 27 | A1 | N24° 31' 03.0" | E72° 46' 45.3" |
| 3 | C | N24° 36' 25.1" | E72° 40' 30.1" | 28 | A2 | N24° 32' 26.1" | E72° 47' 36.4" |

| | | | | | | | |
|----|---|----------------|----------------|----|-----|----------------|----------------|
| 4 | D | N24° 35' 44.0" | E72° 39' 45.2" | 29 | A3 | N24° 33' 30.6" | E72° 48' 23.0" |
| 5 | E | N24° 34' 25.1" | E72° 38' 30.8" | 30 | A4 | N24° 34' 08.6" | E72° 48' 30.1" |
| 6 | F | N24° 34' 01.5" | E72° 37' 44.0" | 31 | A5 | N24° 34' 42.2" | E72° 48' 58.7" |
| 7 | G | N24° 33' 51.6" | E72° 37' 57.2" | 32 | A6 | N24° 35' 22.3" | E72° 49' 33.5" |
| 8 | H | N24° 32' 33.3" | E72° 37' 10.8" | 33 | A7 | N24° 38' 29.9" | E72° 51' 16.4" |
| 9 | I | N24° 32' 15.6" | E72° 36' 54.1" | 34 | A8 | N24° 38' 50.5" | E72° 51' 38.4" |
| 10 | J | N24° 31' 48.4" | E72° 36' 36.6" | 35 | A9 | N24° 41' 30.8" | E72° 52' 34.1" |
| 11 | K | N24° 31' 23.4" | E72° 36' 39.6" | 36 | A10 | N24° 42' 54.5" | E72° 52' 07.7" |
| 12 | L | N24° 31' 33.5" | E72° 37' 21.4" | 37 | A11 | N24° 43' 34.3" | E72° 51' 20.4" |
| 13 | M | N24° 33' 31.6" | E72° 39' 53.8" | 38 | A12 | N24° 43' 27.2" | E72° 50' 07.3" |
| 14 | N | N24° 33' 29.2" | E72° 40' 00.9" | 39 | A13 | N24° 42' 54.2" | E72° 48' 14.6" |
| 15 | O | N24° 31' 52.2" | E72° 38' 49.0" | 40 | A14 | N24° 43' 25.9" | E72° 46' 37.2" |
| 16 | P | N24° 31' 06.2" | E72° 39' 08.0" | 41 | A15 | N24° 43' 05.6" | E72° 45' 34.2" |
| 17 | Q | N24° 31' 42.7" | E72° 39' 45.7" | 42 | A16 | N24° 42' 32.5" | E72° 44' 50.9" |
| 18 | R | N24° 32' 29.5" | E72° 40' 35.0" | 43 | A17 | N24° 42' 13.3" | E72° 44' 42.8" |
| 19 | S | N24° 31' 58.0" | E72° 41' 06.7" | 44 | A18 | N24° 41' 37.1" | E72° 45' 08.8" |
| 20 | T | N24° 31' 40.2" | E72° 41' 24.7" | 45 | A19 | N24° 40' 59.5" | E72° 44' 53.5" |
| 21 | U | N24° 31' 07.4" | E72° 41' 42.5" | 46 | A20 | N24° 40' 44.0" | E72° 43' 59.9" |
| 22 | V | N24° 31' 13.3" | E72° 43' 47.7" | 47 | A21 | N24° 39' 08.0" | E72° 43' 39.8" |
| 23 | W | N24° 31' 16.0" | E72° 44' 43.6" | 48 | A22 | N24° 38' 41.0" | E72° 43' 16.7" |
| 24 | X | N24° 30' 34.0" | E72° 44' 53.9" | 49 | A23 | N24° 37' 46.6" | E72° 41' 17.0" |
| 25 | Y | N24° 30' 58.6" | E72° 46' 04.7" | 50 | A24 | N24° 37' 16.8" | E72° 41' 07.9" |

TABLE B: GEO-COORDINATES OF PROMINENT LOCATIONS OF ECO-SENSITIVE ZONE AROUND MOUNT ABU WILDLIFE SANCTUARY

| S. No. | Latitude | Longitude | S. No. | Latitude | Longitude |
|--------|----------------|----------------|--------|----------------|----------------|
| 1 | N24° 35' 23.9" | E72° 50' 17.2" | 44 | N24° 31' 40.2" | E72° 36' 02.3" |
| 2 | N24° 35' 47.0" | E72° 50' 21.8" | 45 | N24° 31' 07.8" | E72° 36' 08.1" |
| 3 | N24° 36' 11.3" | E72° 50' 39.1" | 46 | N24° 30' 54.9" | E72° 36' 21.2" |
| 4 | N24° 36' 42.1" | E72° 50' 54.8" | 47 | N24° 30' 43.6" | E72° 35' 53.2" |
| 5 | N24° 37' 02.8" | E72° 51' 02.8" | 48 | N24° 30' 20.1" | E72° 35' 15.7" |
| 6 | N24° 37' 29.1" | E72° 51' 16.0" | 49 | N24° 29' 11.8" | E72° 34' 10.0" |
| 7 | N24° 37' 43.7" | E72° 51' 39.1" | 50 | N24° 28' 43.2" | E72° 34' 35.9" |
| 8 | N24° 38' 14.2" | E72° 52' 34.3" | 51 | N24° 28' 17.1" | E72° 36' 54.9" |
| 9 | N24° 38' 49.0" | E72° 52' 33.8" | 52 | N24° 29' 06.7" | E72° 37' 26.5" |
| 10 | N24° 39' 02.9" | E72° 52' 24.5" | 53 | N24° 29' 48.6" | E72° 37' 32.4" |
| 11 | N24° 40' 23.2" | E72° 52' 55.7" | 54 | N24° 30' 26.3" | E72° 37' 44.6" |
| 12 | N24° 41' 37.8" | E72° 53' 08.9" | 55 | N24° 30' 45.6" | E72° 38' 05.7" |
| 13 | N24° 41' 58.0" | E72° 53' 10.4" | 56 | N24° 30' 29.3" | E72° 38' 51.8" |
| 14 | N24° 42' 23.9" | E72° 53' 17.4" | 57 | N24° 30' 33.0" | E72° 39' 09.6" |
| 15 | N24° 42' 51.8" | E72° 53' 08.6" | 58 | N24° 30' 52.9" | E72° 39' 57.5" |
| 16 | N24° 43' 21.2" | E72° 52' 30.2" | 59 | N24° 30' 47.2" | E72° 40' 37.8" |
| 17 | N24° 43' 47.5" | E72° 51' 55.4" | 60 | N24° 30' 41.6" | E72° 41' 07.1" |
| 18 | N24° 44' 06.6" | E72° 51' 24.8" | 61 | N24° 30' 08.4" | E72° 41' 22.3" |
| 19 | N24° 43' 59.8" | E72° 50' 19.5" | 62 | N24° 30' 02.1" | E72° 42' 15.7" |
| 20 | N24° 43' 44.8" | E72° 49' 17.6" | 63 | N24° 30' 08.8" | E72° 42' 31.3" |
| 21 | N24° 43' 32.1" | E72° 48' 58.0" | 64 | N24° 30' 39.8" | E72° 43' 50.7" |
| 22 | N24° 43' 30.2" | E72° 48' 22.0" | 65 | N24° 30' 21.1" | E72° 44' 07.7" |
| 23 | N24° 43' 32.6" | E72° 47' 13.3" | 66 | N24° 30' 05.8" | E72° 44' 27.4" |
| 24 | N24° 44' 16.1" | E72° 46' 31.0" | 67 | N24° 30' 04.3" | E72° 45' 09.0" |
| 25 | N24° 43' 14.6" | E72° 44' 48.9" | 68 | N24° 30' 14.2" | E72° 45' 37.8" |

| | | | | | |
|----|----------------|----------------|----|----------------|----------------|
| 26 | N24° 42' 46.6" | E72° 44' 14.5" | 69 | N24° 30' 19.2" | E72° 46' 17.9" |
| 27 | N24° 41' 08.9" | E72° 42' 43.6" | 70 | N24° 30' 30.6" | E72° 46' 48.1" |
| 28 | N24° 40' 45.4" | E72° 42' 00.5" | 71 | N24° 30' 34.0" | E72° 47' 05.7" |
| 29 | N24° 40' 19.7" | E72° 41' 48.6" | 72 | N24° 30' 47.0" | E72° 47' 24.0" |
| 30 | N24° 38' 50.6" | E72° 42' 04.8" | 73 | N24° 31' 04.9" | E72° 47' 25.6" |
| 31 | N24° 38' 27.1" | E72° 41' 30.1" | 74 | N24° 31' 15.8" | E72° 47' 08.2" |
| 32 | N24° 36' 44.0" | E72° 39' 47.5" | 75 | N24° 31' 55.6" | E72° 47' 32.4" |
| 33 | N24° 35' 49.7" | E72° 39' 03.2" | 76 | N24° 32' 22.2" | E72° 47' 36.8" |
| 34 | N24° 35' 03.5" | E72° 38' 13.6" | 77 | N24° 32' 32.7" | E72° 47' 47.7" |
| 35 | N24° 34' 58.5" | E72° 38' 02.4" | 78 | N24° 32' 27.8" | E72° 47' 55.8" |
| 36 | N24° 34' 43.9" | E72° 37' 42.0" | 79 | N24° 32' 21.1" | E72° 48' 16.8" |
| 37 | N24° 34' 35.8" | E72° 37' 33.1" | 80 | N24° 32' 52.3" | E72° 48' 43.2" |
| 38 | N24° 34' 03.2" | E72° 37' 07.6" | 81 | N24° 33' 07.6" | E72° 48' 50.7" |
| 39 | N24° 33' 17.7" | E72° 37' 01.2" | 82 | N24° 33' 36.6" | E72° 49' 02.0" |
| 40 | N24° 32' 53.7" | E72° 36' 42.9" | 83 | N24° 33' 47.5" | E72° 49' 08.5" |
| 41 | N24° 32' 37.6" | E72° 36' 27.9" | 84 | N24° 34' 15.9" | E72° 49' 30.1" |
| 42 | N24° 32' 21.7" | E72° 36' 19.2" | 85 | N24° 34' 34.0" | E72° 49' 46.9" |
| 43 | N24° 31' 52.9" | E72° 36' 01.5" | | | |

ANNEXURE-IV**LIST OF VILLAGES COMING UNDER ECO-SENSITIVE ZONE OF MOUNT ABU WILDLIFE
SANCTUARY ALONG WITH GEO-COORDINATES**

| S. No. | Village Name | Type of Village* | Tehsil/ Taluka | District | Latitude (N) (DMS Format) | Longitude (E) (DMS Format) |
|--------|--------------|------------------|----------------|----------|------------------------------|-------------------------------|
| 1 | Nanarwara | Revenue | Pindwara | Sirohi | N24°40' 13.08" | E72°53' 49.35" |
| 2 | Nitoda | Revenue | Pindwara | Sirohi | N24°19' 52.00" | E72°53' 37.46" |
| 3 | Ubera | Revenue | Pindwara | Sirohi | N24°43' 10.89" | E72°49' 35.57" |
| 4 | Nagpura | Revenue | Pindwara | Sirohi | N24°35' 02.33" | E72°50' 01.43" |

| | | | | | | |
|----|-----------------|---------|----------|--------|---------------|---------------|
| 5 | Panchdeval | Revenue | Pindwara | Sirohi | N24°37'04.45" | E72°05'16.18" |
| 6 | Mandwara | Revenue | Pindwara | Sirohi | N24°43'45.73" | E72°53'33.46" |
| 7 | KhokhariKheda | Revenue | Pindwara | Sirohi | N24°43'23.67" | E72°50'43.46" |
| 8 | Kacholi | Revenue | Pindwara | Sirohi | N24°38'26.46" | E72°53'16.20" |
| 9 | Phulabaikakheda | Revenue | Pindwara | Sirohi | N24°37'29.50" | E72°51'59.68" |
| 10 | Udwariya | Revenue | Pindwara | Sirohi | N24°36'49.62" | E72°53'33.58" |
| 11 | Danta | Revenue | Pindwara | Sirohi | N24°43'36.84" | E72°51'19.86" |
| 12 | Pipela | Revenue | Pindwara | Sirohi | N24°38'22.32" | E72°56'51.60" |
| 13 | Kotra | Revenue | Pindwara | Sirohi | N24°36'18.46" | E72°50'33.27" |
| 14 | Mahi kheda | Revenue | Pindwara | Sirohi | N24°30'31.44" | E72°38'52.08" |
| 15 | Isra | Revenue | Pindwara | Sirohi | N24°43'48.63" | E72°48'36.41" |
| 16 | Block No.2 | R & F | Pindwara | Sirohi | N24°37'18.91" | E72°48'56.32" |
| 17 | Telpikheda | R & F | Sirohi | Sirohi | N24°43'32.66" | E72°46'28.92" |
| 18 | Hadmatiya | Revenue | Reodar | Sirohi | N24°38'34.58" | E72°41'07.52" |
| 19 | Anadra | Revenue | Reodar | Sirohi | N24°38'19.23" | E72°39'18.46" |
| 20 | Dak | Revenue | Reodar | Sirohi | N24°35'40.81" | E72°37'57.97" |
| 21 | Dhanera | Revenue | Reodar | Sirohi | N24°34'34.64" | E72°37'56.65" |
| 22 | Palrikheda | R & F | Reodar | Sirohi | N24°31'41.40" | E72°35'57.90" |
| 23 | MuliyaKheda | R & F | Reodar | Sirohi | N24°29'48.96" | E72°35'41.05" |
| 24 | Dhawli | Revenue | Reodar | Sirohi | N24°33'49.23" | E72°35'41.93" |
| 25 | Singarlikheda | R & F | Reodar | Sirohi | N24°38'58.28" | E72°41'06.48" |
| 26 | Burarikheda | R & F | Reodar | Sirohi | N24°41'14.27" | E72°44'28.35" |
| 27 | Bari kheda | R & F | Reodar | Sirohi | N24°40'13.08" | E72°53'49.35" |
| 28 | Padrukheda | R & F | Reodar | Sirohi | N24°42'32.83" | E72°44'22.71" |
| 29 | Tokra | R & F | Reodar | Sirohi | N24°40'11.30" | E72°42'27.32" |
| 30 | Kyariya | Revenue | Reodar | Sirohi | N24°33'01.05" | E72°36'14.85" |
| 31 | Sarliya | Revenue | Reodar | Sirohi | N24°40'13.08" | E72°53'49.35" |

| | | | | | | |
|----|----------------|---------|----------|--------|----------------|----------------|
| 32 | Kyara | Revenue | Abu Road | Sirohi | N24°34' 14.31" | E72°48' 44.22" |
| 33 | Jhamar | Revenue | Abu Road | Sirohi | N24°30' 22.56" | E72°43' 38.70" |
| 34 | Bhakyorji | Revenue | Abu Road | Sirohi | N24°30' 38.28" | E72°42' 43.26" |
| 35 | Bageri | R & F | Abu Road | Sirohi | N24°30' 23.94" | E72°41' 20.30" |
| 36 | Ambaberi | Revenue | Abu Road | Sirohi | N24°31' 46.17" | E72°41' 20.03" |
| 37 | Chandela | R & F | Abu Road | Sirohi | N24°31' 12.85" | E72°39' 33.48" |
| 38 | Fatehpura | R & F | Abu Road | Sirohi | N24°31' 51.43" | E72°39' 12.11" |
| 39 | Sakoda | R & F | Abu Road | Sirohi | N24°32' 31.99" | E72°39' 39.06" |
| 40 | Bahadurpura | Revenue | Abu Road | Sirohi | N24°31' 29.50" | E72°37' 48.20" |
| 41 | Chotila | Revenue | Abu Road | Sirohi | N24°28' 48.27" | E72°37' 11.47" |
| 42 | Forest Chotila | R & F | Abu Road | Sirohi | N24°29' 21.98" | E72°36' 27.13" |
| 43 | Muliyamahadev | R & F | Abu Road | Sirohi | N24°30' 26.44" | E72°36' 48.91" |
| 44 | Girwar | Revenue | Abu Road | Sirohi | N24°30' 20.06" | E72°39' 23.60" |
| 45 | Mungthala | R & F | Abu Road | Sirohi | N24°29' 11.80" | E72°41' 31.57" |
| 46 | Dhamsra | Revenue | Abu Road | Sirohi | N24°40' 13.08" | E72°53' 49.35" |
| 47 | Vajna | Revenue | Abu Road | Sirohi | N24°31' 17.64" | E72°37' 31.26" |
| 48 | Smarwakagoliya | Revenue | Abu Road | Sirohi | N24°33' 32.00" | E72°39' 23.10" |
| 49 | Talwarka Naka | Revenue | Abu Road | Sirohi | N24°30' 21.3" | E72°44' 10.0" |
| 50 | Ganka | Revenue | Abu Road | Sirohi | N24°30' 08.0" | E72°45' 14.6" |
| 51 | Umrani | Revenue | Abu Road | Sirohi | N24°30' 57.2" | E72°46' 17.5" |
| 52 | Danvave | Revenue | Abu Road | Sirohi | N24°31' 35.3" | E72°47' 33.0" |
| 53 | Aamthala | Revenue | Abu Road | Sirohi | N24°33' 24.43" | E72°48' 31.06" |
| 54 | Mudrala | Revenue | Abu Road | Sirohi | N24°33' 58.0" | E72°49' 02.90" |

ANNEXURE –V**Performa of Action Taken Report:**

1. Number and date of meetings.
2. Minutes of the meetings: (mention noteworthy points. Attach minutes of the meeting as separate Annexure)
3. Status of preparation of Zonal Master Plan including Tourism Master Plan.
4. Summary of cases dealt with rectification of error apparent on face of land record (Eco-sensitive Zone wise). Details may be attached as Annexure.
5. Summary of cases scrutinised for activities covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
6. Summary of cases scrutinised for activities not covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
7. Summary of complaints lodged under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986.
8. Any other matter of importance.